INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
Email: info@unicomadvertising.com
www.unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी (केन्द्र सरकार) द्वारा मान्यता प्राप्त–134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
www.uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-265 | सांध्य दैनिक | मथुरा/आगरा संभाग, गुरुवार, 19 नवंबर 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में बाल श्रम, नाबालिगों से कराई खातिरदारी

धौलीप्याऊ रेलवे ग्राउंड में अधिकारियों के विशेष पांडाल में कॉफी परोसते और जूठी प्लेटें उठाते दिखे बच्चे

अफसरों की दावत में नाबालिग बने कैटरिंग कर्मचारी





मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में अलग से बनाए गए पांडाल में कैटरिंग का काम करते बच्चे। वीआइपी पांडाल से बर्तन ले जाता बालक। वीआइपी पांडाल में काम करते नाबालिग बच्चे।

यूनिक समय, मथुरा। बाल श्रम रोकने के लिए सरकार की ओर से तमाम दावे और अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन गुरुवार को धौलीप्याऊ रेलवे ग्राउंड में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में इन दावों के उलट तस्वीर दिखाई दी। यहां आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की खातिरदारी के लिए बनाए गए विशेष पांडाल में नाबालिग बच्चे कैटरिंग का काम करते नजर आए। कोई कॉफी परोस रहा था तो कोई जूठी प्लेटें और बचा हुआ खाना उठाने में जुटा था। कार्यक्रम के दौरान करीब आधा दर्जन बच्चे इस तरह काम करते दिखाई दिए। इनका वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

समारोह में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के भोजन के लिए अलग से विशेष पांडाल तैयार किया गया था। इसी पांडाल में नाबालिग बच्चों को काम पर लगाया गया था। बच्चे अधिकारियों और अतिथियों को कॉफी परोसने के साथ प्लेटें उठाने और सफाई करने का काम कर रहे थे। पूछताछ करने पर बच्चों ने बताया कि उनका आगे वाले मुख्य पांडाल से कोई मतलब नहीं है। उन्हें अलग से बनाए गए वीआईपी पांडाल में काम के लिए रखा गया है और उनका ठेकेदार भी अलग है। पारिश्रमिक के बारे में पूछने पर बच्चे चुप्पी साध गए। सरकारी आयोजन में नाबालिगों से काम कराए जाने का मामला कई सवाल खड़े कर रहा है। बाल श्रम पर रोक के बावजूद बच्चों को कैटरिंग जैसे कामों में लगाए जाने को लेकर जिम्मेदारों से सवाल किए गए, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब देने को तैयार नहीं दिखा। आयोजन स्थल पर मौजूद जिम्मेदार भी इस मामले में कुछ कहने से बचते नजर आए। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित वीडियो में बच्चे कैटरिंग का काम करते दिखाई दे रहे हैं। अब सवाल यह है कि सरकारी आयोजन में बच्चों से काम कराने की जिम्मेदारी किसकी थी और इसकी निगरानी करने वाले अधिकारियों की नजर इस पर क्यों नहीं पड़ी।

छज्जू लाए खाट के पाए, मार-मार लट्ठन झूर कर आए

कंस कौ घमंड उतारन आए चतुर्वेदी मथुरा में छाए



कृष्ण-बलराम शोभायात्रा में शामिल महेश पाठक, राकेश तिवारी राजन पाठक, चतुर्वेदी समाज के लोग।

लाठियों से कंस का संहार, हाथी पर निकले कृष्ण-बलराम

झांकियों ने मोहा मन ढोल—नफीरी की गूंज के बीच निकली भव्य शोभायात्रा



कंस वध मेला में हाथी पर सवार कृष्ण-बलराम के स्वरूप और हाथों में लाठी लेकर चलते चतुर्वेदी समाज के युवा।



गुरुवार को मथुरा में निकाली गई शोभायात्रा में शामिल विधायक श्रीकांत शर्मा, गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, भाजपा महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव व अन्य।

यूनिक समय, मथुरा। श्री माथुर चतुर्वेद परिषद की ओर से आयोजित चार दिवसीय श्रीकृष्ण महोत्सव के तहत कंस वध मेला गुरुवार को उल्लास और भव्यता के साथ मनाया गया। चतुर्वेदी समाज के युवाओं ने लाठियों से कंस के पुतले को ध्वस्त कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। इसके बाद 16 आकर्षक झांकियों और हाथी पर सवार कृष्ण-बलराम की शोभायात्रा निकाली गई। वहीं विश्राम घाट पर आयोजित भजन संध्या में मुंबई से आए मथुरा के मूल निवासी पंडित सुखदेव चतुर्वेदी और उनकी टीम ने भजनों से श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर किया।

शाम को हनुमान गली से कंस के पुतले को कंस टीले तक ले जाया गया। शाम पांच बजे ठाकुरजी हाथी पर सवार होकर पहुंचे। चतुर्वेदी समाज के युवाओं ने लाठियों से कंस के पुतले को ध्वस्त किया। कंस का चेहरा शोभायात्रा के रूप में निकाला गया। युवा हाथों में लाठियां लेकर पारंपरिक गीत गाते हुए आगे बढ़े। ढोल, नफीरी और बैंड की धुनों के बीच निकली शोभायात्रा में गणेशजी, गुरु महाराज, माखन चोरी, अक्रूर-कृष्ण-बलराम रथ, कालभैरव, मोर कुटी, नौका विहार और राधा-कृष्ण झूला सहित 16 झांकियां शामिल रहीं। हाथी पर विराजमान कृष्ण-बलराम के दर्शन को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बाजार से होलीगेट तक फूलों और रंग-बिरंगी रोशनी से की गई सजावट ने आयोजन की भव्यता बढ़ाई। परिषद के मुख्य संरक्षक महेश पाठक ने कहा कि समाज के सहयोग से मेला हर वर्ष और भव्य होता जा रहा है। इसकी पहचान देशभर में बनी है। उन्होंने ब्रजवासियों और समाज के लोगों को बधाई दी। अध्यक्ष राजन पाठक ने सहयोगियों का आभार जताया, जबकि महामंत्री संजय चतुर्वेदी अल्पाइन ने कार्यकर्ताओं और युवा समिति के सदस्यों की सराहना की।

इससे पूर्व विश्राम घाट पर भजन संध्या का शुभारंभ महेश पाठक, गिरधारी लाल पाठक, राकेश तिवारी, राजन पाठक और पंडित सुखदेव चतुर्वेदी ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में नवीन नागर, दिनेश पाठक, डॉ. विनोद चतुर्वेदी, कमल चतुर्वेदी, योगेंद्र चतुर्वेदी, नीरज चतुर्वेदी, हरदेव चतुर्वेदी, आशीष चतुर्वेदी, अमित पाठक, अनिल चतुर्वेदी और श्याम मोनू सहित परिषद पदाधिकारी-गणमान्य लोग मौजूद रहे। दुबई शाखा से श्रीकांत चतुर्वेदी और अमन सरदार और मुंबई शाखा से अरविंद, दिलीप और प्रदीप चतुर्वेदी ने भी भाग लिया। महोत्सव के तीसरे दिन 20 नवंबर को शाम पांच बजे मुख्य तीर्थ विश्राम घाट पर भव्य दीपदान का आयोजन किया जाएगा।



गुरुवार को मेला के दौरान लाठियों से कंस वध करते चतुर्वेदी समाज के लोग।



मंदिर में विराजमान कंस वध करते भगवान कृष्ण, बलराम।

देवोत्थान एकादशी से कल बजेगी शहनाई,बाजारों में बढ़ी रौनक


देवोत्थान एकादशी पर पूजन के लिए गन्ना खरीदते लोग।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में शुक्रवार से मांगलिक आयोजनों की धूम शुरू होगी। देवोत्थान एकादशी पर भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने के साथ ही पांच महीने से थमे विवाह समारोहों का सिलसिला फिर शुरू होगा। शहनाइयां गूंजेंगी, बैंडबाजों की धुन सुनाई देगी और विवाह मंडप सजेंगे। सहालग की शुरुआत से पहले ही गुरुवार को शहर से देहात तक बाजारों में रौनक दिखाई देने लगी। वहीं, देवउठनी एकादशी पर ही करीब पांच सौ शादियां होने का अनुमान है।

देवोत्थान एकादशी पर गन्ने की पूजा का विशेष महत्व होने के कारण बाजारों और चौराहों पर गन्ने की दुकानें सज गईं। सुबह से ही खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। मांग बढ़ने के साथ गन्ने के भाव भी 20 से 40 रुपये प्रति गन्ना तक पहुंच गए। लोगों ने पूजन सामग्री के साथ गन्ना, शकरकंद और सिंघाड़ा की खरीदारी की।

सहालग शुरू होने से मैरिज होम, धर्मशालाओं, कैटरिंग संचालकों, हलवाइयों, फूल विक्रेताओं और बैंडबाजा कारोबारियों की व्यस्तता भी बढ़ेगी। शादी वाले परिवार मेहमानों के स्वागत से लेकर खानपान और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

गन्ना, पूजन सामग्री की खरीदारी को उमड़े लोग 20 से 40 रुपये तक मिला एक गन्ना

सहालग शुरू होते ही सड़कों पर बढ़ेगा वाहनों का दबाव जाम की रहेगी संभावना

यातायात व्यवस्था के सामने होगी चुनौती

विवाह समारोहों का दौर शुरू होने के साथ ही शहर की यातायात व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ेगा। शाम से देर रात तक मैरिज होम और विवाह स्थलों के आसपास वाहनों की आवाजाही बढ़ने की संभावना है। होलीगेट, भरतपुर गेट, भूतेश्वर, कृष्णानगर समेत प्रमुख मार्गों पर जाम की समस्या गहरा सकती है। ऐसे में यातायात व्यवस्था संभालना पुलिस के लिए चुनौती होगा। देवोत्थान एकादशी के साथ मथुरा में मांगलिक आयोजनों का नया दौर शुरू होने जा रहा है। कहीं मंगलगीत गूंजेंगे तो कहीं बारातों की अगवानी होगी।



फसाड लाइट से जगमगाएगा मथुरा जंक्शन का मुख्यद्वार



द्वितीय प्रवेशद्वार का भी बदलेगा स्वरूप

यूनिक समय, मथुरा। जंक्शन रेलवे स्टेशन को आकर्षक और आधुनिक स्वरूप देने की तैयारी की जा रही है। इसके तहत स्टेशन का मुख्यद्वार फसाड लाइट से जगमगाएगा। वहीं, द्वितीय प्रवेशद्वार का रंगरूप भी बदला जाएगा। इसके आसपास के क्षेत्र को विकसित कर सुंदर बनाया जाएगा, जिससे यात्रियों को स्टेशन पर बेहतर और आकर्षक वातावरण मिल सके।

रेलवे की इस पहल के तहत स्टेशन के मुख्य प्रवेशद्वार को विशेष रोशनी से सजाया जाएगा। फसाड लाइट लगने के बाद रात के समय स्टेशन का मुख्यद्वार आकर्षक नजर आएगा। इससे स्टेशन की बाहरी सुंदरता में भी इजाफा होगा। खासकर रात के समय यहां से गुजरने वाले यात्रियों और स्थानीय लोगों को स्टेशन का नया स्वरूप देखने को मिलेगा। इसके साथ ही द्वितीय प्रवेशद्वार के सौंदर्यीकरण पर भी जोर दिया जाएगा।

द्वितीय प्रवेशद्वार पर रखा जाएगा इंजन

जंक्शन रेलवे स्टेशन के द्वितीय प्रवेशद्वार के पास इंजन रखकर इसे आकर्षक बनाया जाएगा। इसके लिए प्रवेशद्वार के निकट ही स्थान चिन्हित किया गया है। इंजन रख जाने के बाद उसके आस-पास के क्षेत्र को आकर्षक बनाया जाएगा।

यहां प्रवेशद्वार के रंगरोगन और बाहरी स्वरूप में बदलाव किया जाएगा। आसपास के क्षेत्र को भी व्यवस्थित और विकसित करने की योजना है, ताकि यात्रियों को आवागमन में सहूलियत मिलने के साथ ही परिसर साफ-सुथरा और सुंदर दिखाई दे। मथुरा जंक्शन शहर का प्रमुख रेलवे स्टेशन होने के साथ ही देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए भी महत्वपूर्ण है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री यहां पहुंचते हैं। ऐसे में स्टेशन के दोनों प्रवेशद्वारों का सौंदर्यीकरण होने से इसकी पहचान और आकर्षण में बढ़ोतरी होगी।

स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि मुख्य प्रवेशद्वार पर फसाड लाइट लगवाई जाएंगी। जिससे रात के समय प्रवेशद्वार आकर्षक नजर आएगा। द्वितीय एंट्री के प्रवेशद्वार को भी आकर्षक बनाया जाएगा। साथ ही द्वितीय प्रवेशद्वार पर इंजन रख कर इसके और आकर्षक बनाया जाएगा।

परिक्रमा में दूसरे दिन भी गूंजे राधे-राधे के जयकारे


गुरुवार को भूतेश्वर मंदिर के सामने गली में रस्सा लगाकर रोके गए परिक्रमार्थी।

भीड़ कम होने के बावजूद नहीं सुधरी यातायात व्यवस्था, प्रमुख चौराहों पर वाहन रेंगते रहे

पुलिस-प्रशासन की तैयारियां नाकाफी स्थानीय लोगों के साथ श्रद्धालु भी रहे परेशान

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी में गुरुवार को भी अक्षय नवमी पर मथुरा-वृंदावन की परिक्रमा लगाने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह दूसरे दिन भी बरकरार रहा। सुबह से ही परिक्रमा मार्ग राधे-राधे के जयकारों से गूंजते रहे। श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ परिक्रमा करते नजर आए। हालांकि पहले दिन के मुकाबले दूसरे दिन भीड़ कुछ कम रही, लेकिन शहर की यातायात व्यवस्था में कोई खास सुधार नहीं दिखा। प्रमुख मार्गों और चौराहों पर जाम के हालात बने रहे। इससे स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आए श्रद्धालुओं को भी परेशानी उठानी पड़ी।

परिक्रमा मार्ग पर सुबह से श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। जगह-जगह भजन-कीर्तन और राधे-राधे के जयकारों के बीच श्रद्धालु कदम बढ़ाते रहे। दूसरी ओर, परिक्रमा के चलते शहर के प्रमुख रास्तों पर वाहनों का दबाव बना रहा। कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आए तो कहीं लोगों को काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ा। सबसे अधिक परेशानी उन मार्गों पर हुई, जहां से होकर परिक्रमार्थियों का आवागमन हो रहा था।

पहले दिन जाम से जूझे शहरवासियों को उम्मीद थी कि दूसरे दिन भीड़ कम होने से यातायात व्यवस्था सामान्य हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। कई प्रमुख चौराहों और मार्गों पर यातायात संभालने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती पर्याप्त नजर नहीं आई। कुछ स्थानों पर जाम खुलवाने के लिए पुलिसकर्मी भी दिखाई नहीं दिए। ऐसे में वाहन चालकों और राहगीरों को खुद ही रास्ता तलाशना पड़ा।

प्रशासनिक इंतजामों पर उठे सवाल

दो दिन तक चले परिक्रमा आयोजन के दौरान यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस-प्रशासन की तैयारियां नाकाफी नजर आईं। श्रद्धालुओं की आवाजाही और वाहनों के दबाव को देखते हुए प्रमुख चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती तथा यातायात की निरंतर निगरानी जरूरी थी। इसके बावजूद दूसरे दिन भी हालात में सुधार नहीं दिखा। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब पहले दिन जाम की स्थिति सामने आ गई थी तो दूसरे दिन व्यवस्था सुधारने के लिए प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए।

कोहरे के चलते तीन माह आंशिक निरस्त रहेंगी दो ईएमयू ट्रेनें

यूनिक समय, मथुरा। कोहरे के मौसम में यात्रियों की सुरक्षा और रेल परिचालन को सुचारु बनाए रखने के लिए उत्तर मध्य रेलवे ने दो ईएमयू ट्रेनों का संचालन आंशिक रूप से निरस्त करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था एक दिसंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक लागू रहेगी।

रेलवे के अनुसार, ट्रेन संख्या 64073 नई दिल्ली–धौलपुर ईएमयू प्रतिदिन संचालित होती है। यह ट्रेन निर्धारित अवधि में कोसीकलां से धौलपुर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। वहीं, ट्रेन संख्या 64074 धौलपुर-नई दिल्ली ईएमयू धौलपुर से कोसीकलां के बीच संचालित नहीं होगी। इस व्यवस्था के चलते कोसीकलां और धौलपुर के बीच यात्रियों को इन ट्रेनों की सुविधा नहीं मिल सकेगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा शुरू करने से पहले संबंधित ट्रेन की स्थिति और संचालन संबंधी जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर ट्रैफिक पुलिस सख्त,556 के चालान

यूनिक समय, मथुरा। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। अभियान के तहत अब तक 556 चालकों के चालान किए जा चुके हैं।

इनके ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त कराने के लिए एआरटीओ कार्यालय को रिपोर्ट भी भेजी गई है।

एसपी ट्रैफिक राजेश तिवारी ने बताया कि बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत हाईवे सहित शहर और अन्य प्रमुख मार्गों पर समय-समय पर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। संदिग्ध चालकों की जांच में शराब के नशे में वाहन चलाने की पुष्टि होने पर चालान की कार्रवाई की जाती है।

लाइसेंस निरस्तीकरण के लिए एआरटीओ को भेजी रिपोर्ट, एसपी ट्रैफिक ने दी चेतावनी

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 556 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनके लाइसेंस निरस्तीकरण के लिए एआरटीओ कार्यालय को रिपोर्ट भेजी गई है। शराब पीकर वाहन चलाने पर भारी जुर्माने का भी प्रावधान है। लाइसेंस निरस्त होने पर संबंधित चालक के लिए दोबारा ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना मुश्किल हो सकता है। एसपी ट्रैफिक ने वाहन चालकों से अपील की कि शराब पीकर वाहन न चलाएं। नशे में ड्राइविंग करने से चालक के साथ सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ती है।

डालमिया फार्म प्रकरण में शंकर सेठ को सुप्रीम कोर्ट से राहत

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के बहुचर्चित डालमिया फार्म प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने शिव शंकर अग्रवाल उर्फ शंकर सेठ को बड़ी कानूनी राहत दी है। न्यायालय ने शंकर सेठ के विरुद्ध जारी अवमानना नोटिस को समाप्त करते हुए अवमानना कार्रवाई खत्म कर दी। साथ ही गरीब बच्चों, अनाथ आश्रमों और विधवा महिलाओं के कल्याण के लिए 50 लाख रुपये दान करने का निर्देश दिया है।

छटीकरा-वृंदावन मार्ग स्थित डालमिया फार्म हाउस में 18 सितंबर की रात 454 पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया था। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने 29 नवंबर 2024 को उत्तर प्रदेश सरकार के संबंधित अधिकारियों और फार्म हाउस पक्ष को अवमानना नोटिस जारी किया था। यह मामला ताज ट्रेपेजियम जोन से जुड़े स्वतः संज्ञान प्रकरण के तहत विचाराधीन था।

अधिवक्ता सार्थक चतुर्वेदी ने बताया कि सुनवाई के दौरान शिव शंकर अग्रवाल की ओर से पूर्व आदेशों के अनुपालन और उठाए गए कदमों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। याचिकाकर्ता ने प्रति पेड़ एक लाख रुपये के हिसाब से जुर्माना जमा किया है। पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के लिए नौ हेक्टेयर भूमि भी खरीदी गई है। न्यायालय ने प्रस्तुत तथ्यों और दलीलों पर विचार के बाद अवमानना कार्रवाई समाप्त करने का आदेश दिया।

इस फैसले से संपत्ति के नक्शे की स्वीकृति के लिए संबंधित प्राधिकरण में प्रक्रिया आगे बढ़ाने का रास्ता खुला है। हालांकि निर्माण के लिए सक्षम प्राधिकरण की अनुमति और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्देशों का पालन अनिवार्य रहेगा। सर्वोच्च न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी, पिनाकी मिश्रा सहित अन्य अधिवक्ताओं ने पक्ष रखा।

454 पेड़ों की कटाई से जुड़ा था मामला

गरीब बच्चों, अनाथ आश्रमों और विधवा महिलाओं के लिए 50 लाख रुपये दान करने का निर्देश

अवमानना नोटिस खत्म,निर्माण के लिए सक्षम प्राधिकरण की अनुमति जरूरी

तबादलों से मथुरा के थानों में मची हलचल, कई होंगे खाली

यूनिक समय, मथुरा। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच पुलिस विभाग में हुए निरीक्षकों के तबादलों ने मथुरा पुलिस महकमे में हलचल मचा दी है। पुलिस उप महानिरीक्षक शैलेश कुमार पांडेय की ओर से किए गए स्थानांतरण के बाद जनपद के अधिकांश थानों में थाना प्रभारी निरीक्षकों के पद खाली होने की स्थिति बन गई है। इन पदों पर अब दूसरे जनपदों से आने वाले निरीक्षकों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। नए निरीक्षकों की तैनाती को लेकर पुलिस महकमे में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है।



मथुरा से फिरोजाबाद और मैनपुरी के लिए बड़े स्तर पर निरीक्षकों के स्थानांतरण किए गए हैं। इसके चलते कई थानों की कमान नए हाथों में जाना तय माना जा रहा है। हालांकि स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद भी संबंधित थाना प्रभारी निरीक्षकों ने

बाहरी जनपदों से आने वाले निरीक्षकों को मिलेगी थानों की कमान

लंबे समय से तैनात पुलिसकर्मियों में भी तबादले की आशंका से बेचैनी

अभी तक अपना चार्ज नहीं छोड़ा है। माना जा रहा है कि जल्द ही कार्यभार हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी कर नए निरीक्षकों को थानों की जिम्मेदारी सौंप दी जाएगी।

दूसरी ओर, लंबे समय से मथुरा जनपद में तैनात उप निरीक्षकों, दीवान और कांस्टेबलों में भी संभावित तबादलों को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। पुलिसकर्मियों को आशंका है कि आगामी स्थानांतरण सूची में उनका नाम भी शामिल हो सकता है। वहीं, कुछ स्थानीय लोगों और पुलिसकर्मियों में थाना प्रभारियों के स्थानांतरण को लेकर संतोष भी देखा जा रहा है। अब सभी की निगाहें बाहरी जनपदों से आने वाले निरीक्षकों की तैनाती और नई जिम्मेदारियों पर टिकी हैं।



मालगाड़ी के दो पहिए पटरी से उतरने की जांच शुरू, 12 रेलकर्मियों के बयान दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन के गुड्स शेड यार्ड में मालगाड़ी के दो पहिए पटरी से उतरने के मामले में रेलवे ने जांच तेज कर दी है। गुरुवार को आगरा से पहुंची जांच टीम ने स्टेशन निदेशक के कक्ष में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को तलब कर उनके बयान दर्ज किए। करीब 12 रेलकर्मियों से पूछताछ कर घटना के कारणों और संभावित लापरवाही के पहलुओं को समझने का प्रयास किया गया।

विदित हो कि इसी साल 21 सितंबर को मथुरा जंक्शन के गुड्स शेड यार्ड में शंटिंग के दौरान मालगाड़ी के 19वें वैगन के दो पहिए पटरी से उतर गए थे। घटना के बाद रेलवे के उच्चाधिकारियों ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच टीम गठित कर विस्तृत जांच के आदेश दिए थे। हादसे के बाद से ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि शंटिंग के दौरान किन परिस्थितियों में वैगन के पहिए पटरी से उतरे और इसमें किसी स्तर पर चूक तो नहीं हुई।

गुरुवार को आगरा से आई टीम ने ऑपरेटिंग सहित विभिन्न विभागों से

21 सितंबर को गुड्स शेड यार्ड में शंटिंग के दौरान हुआ था हादसा लापरवाही के पहलुओं की पड़ताल

जुड़े रेलकर्मियों के बयान दर्ज किए। बयान देने वालों में स्टेशन प्रबंधक वीवी मंगल, सीएलआई अरविंद, एसएसई पीडब्ल्यूएस आरके विश्वकर्मा, एसएसई सीएनडब्ल्यू दीदार सिंह, एसएसई ओपी वर्मा, एसआई आरपीएफ अचल सिंह, डीसीआई पवन, सीजीएस संजीव जैन, एलपीजी कमलेश कुमार मीना, शंटिंग मास्टर राम दुलारे, प्वाइंट्समैन मनोज सिंह और सीताराम शामिल रहे। स्टेशन निदेशक सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि मालगाड़ी के दो पहिए पटरी से उतरने की घटना की जांच के लिए टीम मथुरा पहुंची थी। टीम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए हैं। जांच के आधार पर घटना के कारणों का पता लगाया जाएगा।

कोंगू एक्सप्रेस का प्रशांति निलयम स्टेशन पर होगा अतिरिक्त ठहराव

यूनिक समय, मथुरा। श्री सत्य साईं बाबा के 101वें जन्मोत्सव में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने कोयंबटूर–हजरत निजामुद्दीन कोंगू एक्सप्रेस के संचालन में बदलाव किया है। रेलवे ने दोनों दिशाओं में चलने वाली ट्रेन का मार्ग परिवर्तित करने के साथ ही श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम स्टेशन पर दो मिनट का अतिरिक्त ठहराव देने का निर्णय लिया है।

रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 12647 कोयंबटूर-हजरत निजामुद्दीन कोंगू एक्सप्रेस 22 नवंबर को रात 1:28 बजे श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम स्टेशन पहुंचेगी और 1:30 बजे रवाना होगी। इसी तरह, वापसी में गाड़ी संख्या 12648 हजरत निजामुद्दीन -

सत्य साईं बाबा के जन्मोत्सव पर रेलवे ने किया अस्थायी बदलाव

कोयंबटूर कोंगू एक्सप्रेस 25 नवंबर को शाम 5:53 बजे स्टेशन पहुंचेगी और 5:55 बजे प्रस्थान करेगी। रेलवे ने बताया कि दोनों ट्रेनों का संचालन पेनुकोंडा-श्री सत्य साईं प्रशांति निलयम-धर्मावरम परिवर्तित मार्ग से किया जाएगा। इस व्यवस्था से जन्मोत्सव में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिलेगी। रेलवे ने यात्रियों से यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेन की स्थिति और मार्ग संबंधी जानकारी हेल्पलाइन नंबर 139 या एनटीईएस एप के माध्यम से प्राप्त करने की अपील की है।

घर के बाहर पड़ा मिला युवक का शव, मची सनसनी

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र की मदन वाटिका कॉलोनी में बुधवार सुबह घर के बाहर एक युवक का शव पड़ा मिलने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। युवक रात में शराब पीकर घर लौटा था और दरवाजे के पास ही सो गया था। आशंका जताई जा रही है कि रात में ठंड लगने और अत्यधिक शराब के सेवन से उसकी मौत हुई है।

गांव बछगांव, थाना मगोर्रा निवासी पप्पू मदन वाटिका में एटीवी के पीछे किराये के मकान में परिवार के साथ रहते हैं। उनके दामाद नीरज (36) निवासी बृजनगर, थाना नगरिया, जिला डीग (राजस्थान) भी उनके साथ रह रहे थे। बताया गया कि नीरज शराब पीने का आदी था। मंगलवार देर रात वह शराब पीकर घर पहुंचा और दरवाजे के समीप बाहर ही सो गया।

रात में शराब पीकर दरवाजे पर सो गया था युवक, ठंड से मौत की आशंका

बुधवार सुबह परिजनों ने उसे मृत अवस्था में देखा तो हड़कंप मच गया। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद निर्वाल और चौकी प्रभारी पन्ना पोखर आनंद सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक के अनुसार, प्रथम दृष्टया अत्यधिक शराब के सेवन और ठंड के कारण मौत होने की आशंका है। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

ट्रैक्टर-ट्रॉला की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। छाता थाना क्षेत्र के छाता-उमराला मार्ग पर रनवारी के समीप ट्रैक्टर-ट्रॉला की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के दौरान निजी अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

गांव उमराला निवासी शकील (38) मंगलवार शाम बाइक से छाता से अपने गांव लौट रहा था। रास्ते में रनवारी के समीप तेज गति से आ रहे ट्रैक्टर-ट्रॉला ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में शकील सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस घायल को नजदीकी निजी

गांव लौटते समय रनवारी के समीप हुआ हादसा इलाज के दौरान तोड़ा दम

अस्पताल ले गई और परिजनों को हादसे की जानकारी दी। सूचना पर पहुंचे परिजन उसे बेहतर उपचार के लिए मथुरा के निजी अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गैंगस्टर की 18.45 लाख रुपये की संपत्ति कुर्क

यूनिक समय, मथुरा। सदर बाजार पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहे ललित उर्फ लल्ले की 18 लाख 45 हजार 810 रुपये कीमत की संपत्ति कुर्क कर ली। आरोपी गोविंदनगर थाना क्षेत्र के जी–1 सेक्टर का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ सदर बाजार थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। उसकी संपत्ति में प्लॉट संख्या सी-40 के हिस्से में बना एक विला शामिल है। पुलिस ने कुर्की की कार्रवाई करते हुए मकान को सील कर दिया।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

गंभीर बीमारी से परेशान युवक ने किया विषाक्त सेवन, मौत

यूनिक समय, मथुरा। गंभीर बीमारी से जूझ रहे युवक ने घर में विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। हाईवे थाना क्षेत्र के ग्राम अडूकी निवासी 26 वर्षीय रामहरी पुत्र शिवलाल किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित था। बताया गया कि बीमारी के चलते वह काफी परेशान था। इसी के चलते उसने घर में विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। घटना की जानकारी होने पर परिजन आनन-फानन में उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हाईवे थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल ने बताया कि युवक गंभीर बीमारी से पीड़ित था। इसी के चलते उसने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।



मौसम बदलते ही बच्चों पर बीमारियों का हमला,ओपीडी में बढ़ी भीड़

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में बदलाव का असर अब बच्चों की सेहत पर दिखने लगा है। दिन में गर्मी और सुबह-शाम हल्की ठंड के चलते बच्चे सर्दी–जुकाम, खांसी और बुखार की चपेट में आ रहे हैं। जिला अस्पताल की बाल रोग ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। यहां प्रतिदिन करीब 125 बच्चे उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें निमोनिया, अस्थमा और सांस संबंधी परेशानी से पीड़ित बच्चे भी शामिल हैं।

जिला अस्पताल में आने वाले बच्चों में करीब 55 सर्दी-जुकाम, खांसी और बुखार से पीड़ित हैं। वहीं 30 बच्चों में निमोनिया, 25 में अस्थमा और 25 बच्चों में सीने में जकड़न और कान दर्द की शिकायत सामने आ रही है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एसपी शर्मा ने बताया कि ठंड की शुरुआत के साथ मौसम में उतार-चढ़ाव बच्चों की सेहत पर भारी पड़ रहा है। इसके अलावा खानपान और पहनावे को लेकर



जिला अस्पताल में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करते बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एसपी शर्मा।

अभिभावकों की लापरवाही भी बच्चों को बीमार कर रही है। ऐसे में बच्चों की दिनचर्या और खानपान पर

जिला अस्पताल में रोज पहुंच रहे 125 बच्चे,सर्दी–जुकाम, खांसी और बुखार के मरीज ज्यादा

निमोनिया, अस्थमा और सांस की परेशानी से भी जूझ रहे नौनिहाल

विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

उन्होंने अभिभावकों को सलाह दी कि बच्चों को गुनगुना पानी पिलाएं और फ्रिज में रखी खाने-पीने की चीजें देने से बचें। सुबह-शाम ठंड से बचाने के लिए गर्म कपड़े पहनाएं।

बच्चों को ठंडी हवा से बचाने के साथ आसपास साफ-सफाई रखें। तेज बुखार, लगातार खांसी या सांस लेने में परेशानी होने पर तत्काल चिकित्सक से परामर्श लें। थोड़ी सी सावधानी बच्चों को मौसमी बीमारियों से बचा सकती है।

वायरल वीडियो से

स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था देख कुत्ते भी हुए बेफिक्र



यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के सरकारी अस्पताल का एक नजारा इन दिनों व्यवस्था की पोल खोलने के लिए काफी है। यहां मरीज और कुत्ते एक ही फर्श पर नजर आ रहे हैं। तस्वीर देखकर लगता है कि अस्पताल में इलाज के साथ–साथ आवारा कुत्तों के लिए भी मुफ्त ठहरने की व्यवस्था है। इंसान बीमारी लेकर अस्पताल पहुंचता है, लेकिन यहां कुत्तों की मौजूदगी देखकर सवाल उठता है कि आखिर मरीजों की सुरक्षा और स्वच्छता की जिम्मेदारी किसकी है?

सरकारी अस्पताल में मरीजों को बेड मिले या न मिले, लेकिन कुत्तों को

अस्पताल की व्यवस्था पर उठे सवाल

आवारा कुत्तों को रोकने की जरूरत

फर्श पर जगह जरूर मिलती दिखाई दे रही है। सोशल मीडिया पर वायरल इस नजारे ने स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर तीखे सवाल खड़े कर दिए हैं।

अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस तस्वीर को देखकर जागते हैं या व्यवस्था यूं ही चारपाई छोड़ फर्श पर पड़ी रहती है।

सीनियर महिला खो–खो और वॉलीबॉल के जिला स्तरीय ट्रायल आज

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला खो-खो और वॉलीबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए मथुरा की महिला खिलाड़ियों का जिला स्तरीय चयन और ट्रायल 21 नवंबर को आयोजित होगा। यह चयन प्रक्रिया स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में दोपहर तीन बजे से शुरू होगी।

खेल निदेशालय के तत्वावधान में 26 से 28 नवंबर तक जौनपुर में प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला खो-खो एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें भाग लेने वाली आगरा मंडल की टीम के चयन के लिए

गणेशरा स्टेडियम में दोपहर तीन बजे से होगा खिलाड़ियों का चयन

मंडलीय ट्रायल 23 नवंबर को दोपहर दो बजे एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम, आगरा में होगा।

उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने बताया कि इच्छुक महिला खिलाड़ी जिला स्तरीय ट्रायल में शामिल होने के लिए जन्मतिथि का मूल प्रमाण पत्र और आधार कार्ड अथवा पासपोर्ट साथ लेकर निर्धारित समय पर जिला खेल कार्यालय, मथुरा में उपस्थित हों।

होली गेट से डीग गेट तक अतिक्रमण पर चला नगर निगम का डंडा



अतिक्रमण अभियान के दौरान खोमचा उठाते निगम कर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। शहर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए नगर निगम ने गुरुवार को अभियान चलाकर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। वार्ड संख्या 35 में होली गेट से डींग गेट तक चले अभियान में सड़क पर कब्जा जमाने वाले दुकानदारों पर नगर निगम की टीम ने सख्ती दिखाई। कार्रवाई के दौरान सामान जब्त किए जाने और चालान काटने से बाजार में खलबली मची रही।

नगर आयुक्त के निर्देश पर पहुंची टीम ने सड़क के दोनों ओर दुकानों के बाहर फैलाकर रखा गया सामान जब्त कर लिया। सार्वजनिक मार्ग पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के मौके पर ही चालान काटे गए। कार्रवाई के दौरान टीम ने

सड़क पर कब्जा जमाने वालों का सामान जब्त मौके पर काटे चालान

विकास मार्केट से हटवाईं ढकेलें, पार्किंग स्थल कराया खाली

दुकानदारों को सड़क और फुटपाथ खाली रखने की हिदायत भी दी।

वहीं, विकास मार्केट में अतिक्रमण की शिकायतों पर प्रवर्तन दल अधिकारी अपनी टीम के साथ पहुंचे।

यहां सड़क और पार्किंग स्थल पर खड़ी ढकेलों को हटवाया गया। इसके बाद पार्किंग स्थल को खाली कराया गया, ताकि वाहनों के आवागमन और पार्किंग में परेशानी न हो। नगर निगम ने चेतावनी दी कि सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर दोबारा अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, अभियान के बाद बाजारों में अतिक्रमण पर कितने समय तक अंकुश रहता है, यह देखना होगा।

परिक्रमा मार्ग में कार निकालने को लेकर पुलिस से भिड़े युवक



यूनिक समय, मथुरा। अक्षय नवमी पर परिक्रमा के दौरान आकाशवाणी के समीप चामुंडा देवी मंदिर मोड़ पर कार निकालने को लेकर कुछ युवक पुलिसकर्मियों से भिड़ गए। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में कार सवार युवक ड्यूटी पर तैनात दरोगा से बहस और झगड़ा करते नजर आ रहे हैं।

बताया गया कि अक्षय नवमी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए परिक्रमा मार्ग पर चार पहिया को प्रतिबंधित करने को कोई कदम नहीं उठाए गए, ऐसे में बस और चार पहिया वाहनों का आना- जाना लगा रहा । चार पहिया वाहनों पर रोक नहीं होने से आगरा के कुछ युवक कार लेकर चामुंडा देवी मंदिर के समीप पहुंच गए। परिक्रमार्थियों की भारी भीड़ को देखकर मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें आगे जाने से

अक्षय नवमी पर चामुंडा मंदिर मोड़ की घटना परिक्रमार्थियों के विरोध के बाद कार लेकर भागे

रोका तो युवक उलझ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, इस दौरान युवकों ने वीडियो बना रहे एक सिपाही का मोबाइल छीन लिया और उसमें से वीडियो डिलीट कर दी।

घटना के दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने आगरा के युवकों का विरोध किया और अपने मोबाइल से वीडियो बना लिया। विरोध बढ़ता देख कार सवार युवक पागल बाबा मंदिर की ओर कार लेकर भाग गए। वायरल वीडियो के सामने आने के बाद घटना चर्चा का विषय बनी हुई है।

वहीं, लोग परिक्रमा में कई लाख लोगों के आने के दौरान वाहनों के आवागमन को लेकर पुलिस को निशाने पर लेते रहे। इंटरनेट मीडिया पर ऐसे कई पोस्ट और वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें सत्ता से जुड़े लोग भी पुलिस पर सवालिया निशान लगा रहे हैं और यातायात कुप्रबंधन को लेकर पुलिस को कोस रहे हैं। परिक्रमा में यातायात कुप्रबंधन के ऐसे हालात गुरुवार को भी नजर आए, जहां परिक्रमार्थी स्वयं वाहनों को रोककर सड़क से निकलते रहे।



संत मुलखराज बेदीपुरी की 50वीं पुण्यतिथि पर 21 को कीर्तन महासमागम

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णानगर स्थित कुटिया में ब्रह्मलीन संत मुलखराज बेदीपुरी की 50वीं पुण्यतिथि (स्वर्ण जयंती वर्ष) पर 21 नवंबर को विशाल कीर्तन महासमागम आयोजित किया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसमें देश के विभिन्न राज्यों से प्रसिद्ध रागी जत्थे शामिल होकर प्रभु भक्ति की रसधारा प्रवाहित करेंगे।

आयोजन समिति के पदाधिकारी रानी

देशभर के प्रसिद्ध रागी जत्थे करेंगे प्रभु भक्ति तैयारियां शुरू

आहूजा ने बताया कि संत की 50वीं पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाला यह वार्षिक समागम विशेष होगा। इसमें देशभर के सुप्रसिद्ध कीर्तनकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम शुक्रवार और शनिवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित होगा।

कुटिया प्रबंधन से जुड़े लाडो आहूजा ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमियों से कीर्तन महासमागम में पहुंचकर संत के प्रति श्रद्धा अर्पित करने और प्रभु भक्ति का लाभ लेने की अपील की है।

वायरल वीडियो के बाद भी शिक्षक पर कार्रवाई नहीं, जांच ठंडे बस्ते में

जोधपुर विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक पर शराब पीने का आरोप

विभागीय चुप्पी पर उठे सवाल

यूनिक समय, फरह। क्षेत्र के गांव जोधपुर में पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक मुकेश सिकरवार से जुड़े कथित शराब सेवन के फोटो और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठ रहे हैं। मामला शिक्षा विभाग के अधिकारियों तक पहुंचने के बावजूद जांच आगे नहीं बढ़ने का आरोप लगाया जा रहा है।

इंटरनेट मीडिया पर वायरल फोटो में शिक्षक को विद्यालय परिसर में शराब पीते हुए दिखाए जाने का दावा किया जा रहा है। वहीं, कुछ वीडियो भी वायरल हुए हैं। मामला संज्ञान में आने के बाद विभागीय जांच की बात सामने आई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आरोप है कि शिक्षक जनप्रतिनिधियों से अपनी नजदीकी का हवाला देकर कार्रवाई नहीं होने की बात कहता है। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि प्रभावशाली लोगों के दबाव में जांच की रफ्तार धीमी पड़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय में शिक्षक की भूमिका और वायरल सामग्री की गंभीरता को देखते हुए मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

सवाल यह भी है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो जिम्मेदार शिक्षक के खिलाफ विभाग कब तक कार्रवाई करेगा। फिलहाल शिक्षा विभाग की चुप्पी ने पूरे प्रकरण को चर्चा का विषय बना दिया है। इस बारे में बात करने को बीएसए का सीयूजी फोन मिलाया, लेकिन उन्होंने रिसीव नहीं किया।

विद्यार्थियों को बताए सड़क सुरक्षा के नियम



ऑटो चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देते एआरटीओ प्रवर्तन सतेन्द्र कुमार सिंह।

यूनिक समय, मथुरा। सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत परिवहन विभाग की ओर से बाजना इंटर कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों की जानकारी देने के साथ सड़क पर सुरक्षित आवागमन के लिए जरूरी सावधानियों के बारे में बताया गया। विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम के दौरान परिवहन विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही नाबालिगों को वाहन नहीं चलाने देने और सड़क पार करते समय सावधानी बरतने की अपील की गई। विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा से संबंधित पंपलेट भी वितरित किए गए। एआरटीओ प्रवर्तन सतेन्द्र कुमार सिंह ने ऑटो स्टैंड पर पहुंचकर ऑटो चालकों और यात्रियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

उन्होंने ऑटो चालकों को निर्धारित क्षमता के अनुसार सवारी बैठाने, यातायात नियमों का पालन करने और वाहन चलाते समय सतर्कता बरतने की सलाह दी। यात्रियों को भी सुरक्षित यात्रा के लिए जरूरी सावधानियों के बारे में बताया।

सद्भावना दिवस के रूप में मनाई पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 109वीं जयंती



सेठबाड़ा स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती मनाते कांग्रेसी।

कांग्रेसियों ने चित्र पर माल्यार्पण कर किया नमन

यूनिक समय, मथुरा। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 109वीं जयंती जिला कांग्रेस कमेटी के सेठबाड़ा स्थित कार्यालय पर सद्भावना दिवस के रूप में मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसियों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण-पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और देश के प्रति उनके योगदान को याद किया। जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि इंदिरा गांधी बचपन से ही देशसेवा के प्रति समर्पित थीं। उन्होंने गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों के हितों के लिए काम किया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी उनके नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्हें दुर्गा का अवतार कहा था। देश की खातिर उन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया। जिला कांग्रेस महासचिव वैद्य मनोज गौड़ ने कहा कि देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपने दृढ़ संकल्प और जनकल्याणकारी निर्णयों से भारतीय राजनीति-इतिहास पर अमिट छाप छोड़ी। बैंकों के राष्ट्रीयकरण जैसे फैसलों के माध्यम से उन्होंने आर्थिक संसाधनों को आम जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया। संचालन करते हुए पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि ने कहा कि इंदिरा गांधी ने हरित क्रांति को बढ़ावा दिया। वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद बांग्लादेश के गठन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पोखरण परमाणु परीक्षण के माध्यम से भारत ने अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कांग्रेसियों से उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष रूपा लवानिया, अप्रतिम सक्सेना, पंकज चौधरी, रमेश कश्यप, जिलानी कादरी, खुशीराम पटेल, महेश चौबे, अमर प्रताप, अनिल खरे, हाशिम हुमेर, बालवीर धनगर, सुरेश शर्मा, राजेश कुमार, राजा गौतम, शैलेंद्र चौधरी, हरदेव सिंह, धीरज शर्मा, दीपक दीक्षित, अमित दीक्षित और सरवन अहमद सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज में छात्राओं को बांटे हेलमेट



छात्राओं को हेलमेट वितरित करते कॉलेज चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल।

'राइड वाइज, स्टे सेफ' शिविर में यातायात नियमों के पालन के लिए किया जागरूक

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'राइड वाइज, स्टे सेफ' शिविर आयोजित किया गया। कॉलेज के सीएसई विभाग ने त्रिगुणा-आवास द साइंस ऑफ लिविंग संस्था के सहयोग से कार्यक्रम किया। इसमें छात्राओं को हेलमेट वितरित कर सुरक्षित वाहन संचालन के नियमों की जानकारी दी गई। संस्था के संस्थापक-मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदर्श गुप्ता ने छात्राओं को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करने, यातायात संकेतों का पालन करने और निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने की सलाह दी। कॉलेज चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल और वाइस चेयरमैन विशाल बंसल ने कहा कि विद्यार्थियों को किताबी शिक्षा के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करना भी संस्थान का उद्देश्य है। निदेशक प्रो. श्याम सुंदर अग्रवाल, डीन एकेडमिक प्रो. लोकेन्द्र शर्मा, वरिष्ठ रजिस्ट्रार भगवान सिंह और सीएसई विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्गा पूजा ने भी सड़क सुरक्षा नियमों को जीवनशैली में शामिल करने पर जोर दिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संयम वार्ष्णेय रहे। इसमें सभी विभागाध्यक्ष और शिक्षक उपस्थित रहे। समापन पर सुरक्षित चलाने और जीवन को अनमोल समझने का संदेश दिया गया।

विश्व शौचालय दिवस पर दो आकांक्षी सार्वजनिक शौचालयों का उद्घाटन



नवनिर्मित आकांक्षी सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन करते अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। विश्व शौचालय दिवस पर नगर निगम ने नागरिकों और श्रद्धालुओं को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में दो नवनिर्मित आकांक्षी सार्वजनिक शौचालयों की शुरुआत की। दोनों शौचालय 10-10 सीटों वाले हैं। वार्ड संख्या 58 के गऊघाट स्थित कंस किला के समीप बने सार्वजनिक शौचालय का उद्घाटन क्षेत्रीय पार्षद नीलम गोयल ने किया। वहीं वार्ड संख्या 49 के डैपियर नगर में विकास मार्केट के समीप नवनिर्मित शौचालय का उद्घाटन अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार ने किया। लोगों को शौचालय का उपयोग करने के बाद फ्लश करने, पानी की बर्बादी रोकने और परिसर को साफ-सुथरा रखने की जानकारी दी गई। नगर निगम का उद्देश्य शहरवासियों के साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराना है। निगम प्रशासन ने स्वच्छता को जनसहभागिता के माध्यम से दैनिक आदत बनाने पर जोर दिया।

भारतीय संस्कृति और स्थापत्य ने मोहा सबका मन

राजकीय संग्रहालय में सात दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ, सांची स्तूप से खजुराहो के मंदिरों तक की धरोहरें प्रदर्शित

रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर किया नमन, 25 नवंबर तक चलेगी प्रदर्शनी

यूनिक समय, मथुरा। भारत की गौरवशाली संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और अद्भुत स्थापत्य कला की झलक अब राजकीय संग्रहालय में देखने को मिल रही है। विश्व धरोहर सप्ताह के तहत बुधवार को यहां सात दिवसीय चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी में सांची स्तूप, कोणार्क का सूर्य मंदिर, हम्पी का पत्थर का रथ और खजुराहो के मंदिरों सहित देश की प्रमुख ऐतिहासिक धरोहरों को आकर्षक चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इन चित्रों को देखकर दर्शक भारतीय कला और वास्तुकला की समृद्ध परंपरा से रूबरू हुए। संस्कृति विभाग के राजकीय संग्रहालय में 'भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक-स्थापत्य विरासत' विषय पर आयोजित प्रदर्शनी का शुभारंभ केआर गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्राचार्य डॉ. पल्लवी सिंह और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुपम मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ. पल्लवी सिंह ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक और स्थापत्य विरासत हमारी पहचान है। इस तरह की प्रदर्शनियां नई पीढ़ी को गौरवशाली इतिहास और परंपराओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। विद्यार्थियों को पुस्तकों के साथ ऐसी प्रदर्शनियों के माध्यम से भी ऐतिहासिक धरोहरों को जानने का अवसर मिलना चाहिए। डॉ. अनुपम मिश्रा ने कहा कि ऐतिहासिक धरोहरें हमारी समृद्ध कला और संस्कृति की अनमोल पहचान हैं। इनका संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। सहायक निदेशक डॉ. प्रतिभा द्विवेदी ने कहा कि सांस्कृतिक विरासत केवल अतीत की पहचान नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी 25 नवंबर तक चलेगी। आमजन, विद्यार्थी, शोधार्थी और कला-इतिहास प्रेमी कार्यदिवसों में सुबह 10:30 से शाम 4:30 बजे तक इसका अवलोकन कर सकेंगे। विश्व धरोहर सप्ताह के आयोजन के साथ वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती भी मनाई गई। संग्रहालय परिसर में उनके चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर अदम्य साहस, वीरता, राष्ट्रप्रेम और मातृभूमि की रक्षा के लिए दिए गए बलिदान को याद किया गया। अतिथियों और संग्रहालय के अधिकारियों-कर्मचारियों ने उनके आदर्शों पर चलने, उनके शौर्य से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रशांत श्रीवास्तव, मनीष कुमार, अनितेश वार्ष्णेय, रचना, ज्योति, खजान, दिनेश, सुभाष और मनोज सहित अन्य लोगों ने सहयोग किया।



प्रदर्शनी का शुभारंभ करने के बाद मुख्य अतिथि डॉ. पल्लवी सिंह, विशिष्ट अतिथि डॉ. अनुपम मिश्रा, सहायक निदेशक डॉ. प्रतिभा द्विवेदी और अन्य।

खाटूश्याम के जन्मोत्सव पर भव्य संकीर्तन और फूल बंगला कल

यूनिक समय, कोसीकलां। खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर 20 नवबंर सायं छह बजे रामनगर स्थित जीतमल भगतजी की बगीची में बाबा का मनमोहक फूल बंगला और संकीर्तन का आयोजन होगा। दिव्यांशु गुप्ता ने सभी श्याम प्रेमियों से कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है।

किराये में राहत नहीं मिली तो रोडवेज को लगेगा राजस्व का झटका

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियों में यात्रियों की पहली पसंद बनीं रोडवेज की एसी बसों पर अब मौसम का असर पड़ने की आशंका है। सुबह-शाम बढ़ती ठंड के बीच यात्रियों के सामने सवाल है कि जब एसी की जरूरत ही नहीं है तो साधारण बसों के मुकाबले अधिक किराया क्यों चुकाया जाए। ऐसे में किराये में कोई राहत नहीं मिली तो यात्री एसी बसों के बजाय साधारण बसों से सफर करना पसंद कर सकते हैं। इसका सीधा असर मथुरा डिपो की आय पर पड़ने की आशंका है। आरामदायक सफर के लिए अधिक किराया देने से भी गुरेज नहीं करते, लेकिन मौसम बदलने के साथ एसी बसों की उपयोगिता यात्रियों के लिए पहले जैसी नहीं रह जाती। ऐसे में एसी बसों की सीटें भरना रोडवेज के लिए चुनौती बन सकता है। वर्तमान में मथुरा डिपो से 12 एसी बसों का संचालन किया जा रहा है। ये बसें कानपुर, लखनऊ, अलीगढ़, मेरठ, हरिद्वार, दिल्ली और नोएडा सहित विभिन्न शहरों के लिए यात्रियों को सेवा दे रही हैं। यदि किराये में कटौती नहीं हुई तो एसी बसों में सीटें खाली रह सकती हैं और विभाग को राजस्व का नुकसान उठाना पड़ सकता है। मथुरा डिपो इंचार्ज विवेक अहिरवार ने बताया कि एसी बसों का किराया कम करने के संबंध में अभी मुख्यालय से कोई आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। मौसम में बदलाव का असर डिपो के राजस्व पर पड़ सकता है। मुख्यालय से जो भी दिशा-निर्देश मिलेंगे, उनका पालन कराया जाएगा।

शिक्षक-चिकित्सक बदल सकते हैं ब्रज की स्वच्छता की तस्वीर : शैलजाकांत

स्वच्छता अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ

विद्यार्थियों के जरिए घर-घर पहुंचेगा जागरूकता का संदेश

यूनिक समय, मथुरा। 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' संकल्प के साथ गुरुवार को ब्रज स्वच्छता-जनजागरूकता अभियान के द्वितीय चरण की शुरुआत हुई। डैम्पियर नगर स्थित पाञ्चजन्य प्रेक्षागृह में शिक्षक और चिकित्सकों के साथ संवाद कर आगामी कार्ययोजना बनाई गई। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि शिक्षक संस्कारों का निर्माण करता है और चिकित्सक स्वस्थ जीवन का मार्ग दिखाता है।

दोनों वर्ग अपनी भूमिका निभाकर ब्रज की स्वच्छता की तस्वीर बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि कमजोर लोग कठिन काम छोड़ देते हैं, लेकिन पुरुषार्थ करने वाले पीछे नहीं हटते। स्वच्छता को केवल सरकार की जिम्मेदारी मानने की मानसिकता बदलनी होगी।

उन्होंने बताया कि अभियान की शुरुआत 22 जून को हुई थी। अब स्कूली विद्यार्थियों के माध्यम से घर-घर स्वच्छता का संदेश पहुंचाया जाएगा। नगर निगम उपनेता मुकेश सारस्वत ने प्रयासों की जानकारी दी। शिक्षकों और व्यापारियों ने सुझाव रखे। परिषद की सीईओ लक्ष्मी नागप्पन ने आभार जताया। संचालन मुकेश शर्मा ने किया। संयुक्त मजिस्ट्रेट सलोनी गौतम, अपर नगर आयुक्त प्रियंका, डिप्टी सीएमओ डॉ. भूदेव कुमार, आईएमए अध्यक्ष डॉ. बीएस गोयल, जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह सहित शिक्षक, चिकित्सक और हार्टफुलनेस के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान स्वच्छता पर नाटक भी प्रस्तुत किया गया।

संतों के सानिध्य में मनाया गया चरणाश्रम का दशम पाटोत्सव



कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते संत- महंत।

संत संगोष्ठी में गूंजी भक्ति और अध्यात्म की वाणी

यूनिक समय,वृंदावन। वंशीवट स्थित चरणाश्रम का दशम पाटोत्सव संत संगोष्ठी और विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्वक मनाया गया। ब्रज के अनेक प्रतिष्ठित संत-महात्माओं ने सहभागिता कर अपनी अमृतमयी वाणी से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और अध्यात्म का संदेश दिया। संतों के सानिध्य में आयोजित संगोष्ठी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और संतों के आशीर्वचन प्राप्त किए। संत संगोष्ठी में संत-महात्माओं ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में आध्यात्मिक चेतना जागृत करने के साथ ही भक्ति, सेवा और संस्कारों की भावना को मजबूत करते हैं। संतों का सानिध्य मनुष्य को सद्मार्ग पर चलने, जीवन में धर्म और सदाचार अपनाने की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ संत फूलडोल बिहारी दास, महामंडलेश्वर डॉ. सत्यानंद सरस्वती, महामंडलेश्वर राधाप्रसाद देव जू, डॉ. आदित्यानंद सरस्वती, महंत सुंदर दास, महंत सच्चिदानंद,देवस्वरूप, महामंडलेश्वर सुरेशानंद, राम सुदर्शन मिश्र, रामदेव चतुर्वेदी, बिहारीलाल वशिष्ठ और मोहिनी शरण ने ठाकुरजी के चित्रपट के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम बबंडर बाबा,बद्रीश, सौरव गौड़, गोपाल चतुर्वेदी,यदुनंदन, रामबिलास चतुर्वेदी, मुरली अग्रवाल, दीना पंडित, गंगा शरण पांडेय, संजू अग्रवाल,रामजी शुक्ला, कन्हैया अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, सुरेंद्र सिंह यादव, जय तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग, बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गांव बठैन-धर्मनगर में कोटेदार की मनमानी ग्रामीणों को कम राशन देकर कर रहा गबन

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र के गांव बठैन-धर्मनगर में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर तैनात कोटेदार पर राशन घोटाले का गंभीर आरोप लगा है। ग्रामीणों ने कोटेदार पर मानक से काफी कम राशन देने और गबन करने का आरोप लगाया है, जिससे गांव में आक्रोश व्याप्त है। धर्मनगर निवासी हेतराम, शीषपाल, खेमचंद, बलवीर, धर्मवीर, मुकेश, ओमवती, ने आरोप लगाते हुए बताया कि शासन की ओर से प्रति यूनिट पांच किलो राशन देने का प्रावधान है। एक परिवार में पांच सदस्य होने पर 25 किलो राशन मिलना चाहिए, लेकिन कोटेदार द्वारा उन्हें मात्र 20 किलो राशन देकर भगा दिया जाता है। राशन की दुकान गांव से करीब चार किलोमीटर दूर स्थित है। इतनी दूर पैदल या किराए पर वाहन करके जाने के बाद भी जब पूरा राशन नहीं मिलता तो उन्हें काफी निराशा होती है। कई बार तो कोटेदार दुकान बंद करके गायब हो जाता है। ग्रामीणों ने इस पूरे मामले की शिकायत खाद्य एवं रसद विभाग के पूर्ति निरीक्षक मोहन प्रकाश सिंह से की है। ग्रामीणों ने मांग की है कि राशन वितरण में धांधली की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषी कोटेदार का लाइसेंस निरस्त कर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि गरीबों के हक का राशन उन्हें पूरा मिल सके।

फर्जी आधार और सिम कार्ड के साथ साइबर ठग गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। शेरगढ़ पुलिस ने साइबर ठगी के आरोप में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे गंजाबांस चौकी से विशंभरा जाने वाले रास्ते से पकड़ा।

गिरफ्तार अभियुक्त हुसैन निवासी विशंभरा के कब्जे से दो फर्जी आधार कार्ड, पांच फर्जी सिम कार्ड, तीन मोबाइल फोन और तीन एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह व्हाट्सएप और अन्य माध्यमों से लोगों को लालच देकर ठगी करता था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संतुलित पोषण और वैज्ञानिक खेती के बताए तरीके



गोष्ठी में विचार रखते वक्ता।

यूनिक समय, मथुरा। किसानों को संतुलित फसल पोषण और वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करने के लिए चंबल फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड की ओर से बल्देव के ग्राम अवैरनी में किसान गोष्ठी- फसल संगोष्ठी आयोजित की गई। उत्तम संतुलित पोषण अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में 90 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केंद्र मथुरा के प्रमुख डॉ. योगेश शर्मा ने किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों, बेहतर फसल प्रबंधन और क्षेत्र के अनुकूल फसल किस्मों के चयन की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण का लाभ उठाने का आह्वान किया। चंबल फर्टिलाइजर्स के प्रबंधक (आरएंडडी) डॉ. जेएम सैनी ने कंपनी की किसान हितैषी पहलों और कृषि उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी दी। एडीएल आगरा के डॉ. सतेंद्र कुमार ने मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक प्रबंधन अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संतुलित पोषण और मिट्टी के स्वास्थ्य का संरक्षण फसल की गुणवत्ता-उत्पादन बढ़ाने के लिए जरूरी है। गोष्ठी में किसानों ने खेती से जुड़ी समस्याएं और जिज्ञासाएं विशेषज्ञों के सामने रखीं। विशेषज्ञों ने तकनीकी सुझाव देकर उनका समाधान किया। कार्यक्रम का आयोजन दीपांशु चौधरी ने किया।

भाकियू चढूनी की बैठक में किसानों ने जताया आक्रोश, प्रशासन को चेतावनी



कार्यक्रम में मौजूद भाकियू चढूनी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता।

यूनिक समय, गोवर्धन। तहसील क्षेत्र के गांव नगला भूरिया में भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) की बैठक में किसानों ने क्षेत्रीय समस्याओं और प्रशासनिक अनदेखी पर नाराजगी जताई। किसानों ने चेतावनी दी कि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो तहसील मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में आगरा मंडल युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष तुलसी दास, तहसील अध्यक्ष सत्यवीर और जिला उपाध्यक्ष नवल सिंह ने कहा कि तहसील स्तर पर किसानों की समस्याओं की सुनवाई नहीं हो रही है। बेसहारा गोवंश फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी कोई ठोस कदम नहीं उठा रहे। वृद्धा और विधवा पेंशन के मामलों का भी निस्तारण नहीं हो रहा है। आगरा कैनाल की लालपुर माइनर की सफाई और खुदाई नहीं कराई गई है। सौंख-मथुरा मार्ग जर्जर होकर गड्ढों में तब्दील हो चुका है। वहीं, लालपुर स्थित सरकारी अस्पताल में डॉक्टर की नियमित तैनाती न होने से ग्रामीणों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। बैठक में निर्णय लिया गया कि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आगरा मंडल अध्यक्ष रामवीर सिंह तोमर और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रतन सिंह पहलवान के नेतृत्व में तहसील गोवर्धन पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान लालाराम, राजवीर सिंह, रामलाल, पुरुषोत्तम, अरविंद और सुरेश सहित दर्जनों किसानों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की। बैठक में तहसील उपाध्यक्ष केशव, ब्लॉक अध्यक्ष गिरवर सिंह, होली, बच्चू सिंह, मेघश्याम, जगबीर सिंह, प्रेम सिंह और लोकेश सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य से छात्राओं को कराया परिचित



स्त्री शक्ति दिवस पर आयोजित गोष्ठी में मौजूद वक्ता।

अभाविप ने मनाया स्त्री शक्ति दिवस

आत्मविश्वास और नेतृत्व का दिया संदेश

यूनिक समय, वृंदावन। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की वृंदावन इकाई ने रामकली देवी गर्ल्स इंटर कॉलेज में स्त्री शक्ति दिवस मनाया। कार्यक्रम में छात्राओं को भारतीय इतिहास की वीरांगनाओं के शौर्य, साहस, त्याग और राष्ट्रभक्ति से परिचित कराया गया। साथ ही उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना जागृत करने का संदेश दिया गया। मुख्य वक्ता विभाग छात्रा प्रमुख साधना प्रजापति और जिला छात्रा प्रमुख विनीता शर्मा ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई भारतीय नारी शक्ति, स्वाभिमान और अदम्य साहस की प्रतीक हैं। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में अंग्रेजी हुकूमत का जिस वीरता और दृढ़ संकल्प से सामना किया, वह आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। छात्राओं को उनसे प्रेरणा लेकर शिक्षा, सामाजिक नेतृत्व और राष्ट्र निर्माण में क्रा भूमिका निभानी चाहिए। संचालन महानगर सह मंत्री दीपक शर्मा ने किया। इस दौरान विभाग संगठन मंत्री दिव्यांशु पचौरी, महानगर सह मंत्री कान्हा चतुर्वेदी, अनमोल दुबे, भूमिका सहित अन्य कार्यकर्ता और विद्यालय की छात्राएं उपस्थित रहीं।

कांग्रेसियों ने मनाया पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का जन्मदिन



पूर्व प्रधानमंत्री का जन्म दिन मनाते कांग्रेस कार्यकर्ता।

यूनक समय, कासाकला। नगर म गुरुवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लौह महिला-पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी का जन्मदिन श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया।

इस मौके पर वर्तमान नगर अध्यक्ष विपिन त्यागी के भगवती रोड स्थित आवास पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर की। गोष्ठी में वक्ताओं ने उनके जीवन, कृतित्व और देश के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

विपिन त्यागी ने कहा कि इंदिरा गांधी ने अपने दृढ़ निश्चय और साहसिक फसला स दश का नइ दिशा दा। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, हरित क्रांति में उनकी भूमिका को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

श्याम बिहारी पालीवाल ने कहा कि आज के युवाओं को इंदिरा गांधी के आदर्शों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर सुनील कुमार जैन, गिर्राज पालीवाल, डॉक्टर प्रमोद, महेश महावर, जगदीश शर्मा, गिर्राज सुपनिया, राम जय शर्मा, डॉ. जीवन लाल, महेश महावर, राम जय शर्मा, देवेश त्यागी, वरुण शर्मा, ध्रुव शर्मा आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर में आग के बाद लाइन ठीक करने पहुंचा संविदा लाइनमैन करंट से झुलसा

यूनिक समय, कोसीकलां। कस्बा पुलिस चौकी के सामने बुधवार रात विद्युत ट्रांसफार्मर के बॉक्स में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि ट्रांसफार्मर और बॉक्स जलकर राख हो गए। देर रात घटना होने के कारण आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

आग लगने से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। गुरुवार सुबह विद्युत विभाग की टीम ट्रांसफार्मर बदलने और लाइन दुरुस्त करने पहुंची। इसी दौरान संविदा लाइनमैन ओमप्रकाश करंट की चपेट में आकर घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लाइन पर काम करते समय अचानक करंट दौड़ गया। आशंका जताई जा रही है कि बिजली आपूर्ति बंद होने के बावजूद किसी उपभोक्ता के घर के इनवर्टर से निकला बैक करंट ट्रांसफार्मर तक पहुंच गया। करंट लगने से लाइनमैन का संतुलन बिगड़ा और वह सड़क पर गिर पड़ा।

हादसे के बाद मौके पर मौजूद विद्युतकर्मियों और दुकानदारों ने उसे तत्काल निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही विद्युत विभाग में हड़कंप मच गया। एसडीओ और जेई ने मौके पर पहुंचकर घटनाक्रम की जानकारी ली।

सुविचार

अच्छे विचार जीवन में उम्मीद, साहस और सकारात्मकता का संचार करते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	दशमी	07:06-07:16 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष	
नक्षत्र	उ. भाद्रपद	06:56-06:50 तक	माह	कार्तिक	
सूर्योदय		6:44 AM	चन्द्रोदय	02:20 PM	
सूर्यास्त		5:26 PM	चंद्रास्त	12:05 AM	
सूर्य राशि		वृश्चिक राशि	चंद्र	मीन राशि	
शुभ मुहूर्त		11:19AM –12:02 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:58-05:51	
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083	
राहुकाल		10:45 AM: 12:05 PM	वार	शुक्रवार	

ब्रज के मंदिरों के दर्शन



ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

देवोत्थान एकादशी 20 या 21 नवंबर को



यूनिक समय, मथुरा। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाई जाने वाली देवोत्थान एकादशी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इसे देवोत्थान और प्रबोधिनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु चार महीने की योगनिद्रा से जागते हैं और इसके साथ ही चातुर्मास का समापन हो जाता है। देवताओं के जागृत होने के बाद विवाह सहित अन्य मांगलिक कार्यों की शुरुआत भी हो जाती है। इस बार

भद्रा और अग्नि पंचक का भी रहेगा प्रभाव

देवोत्थान एकादशी की तारीख को लेकर लोगों में असमंजस है कि व्रत 20 नवंबर को रखा जाए या 21 नवंबर को। पंचांग के अनुसार, इस बार व्रत दोनों दिन अलग–अलग परंपराओं के अनुसार रखा जाएगा।

कार्तिक शुक्ल एकादशी तिथि 20 नवंबर 2026 को सुबह 7:15 बजे शुरू होगी और 21 नवंबर को सुबह 6:31 बजे समाप्त होगी। उदयातिथि की स्थिति स्पष्ट नहीं होने के कारण गृहस्थ और वैष्णव परंपरा के अनुसार व्रत की तारीख अलग निर्धारित की गई है। गृहस्थ श्रद्धालु 20 नवंबर को व्रत रखेंगे, जबकि वैष्णव संप्रदाय के अनुयायी 21 नवंबर को एकादशी मनाएंगे। 21 नवंबर को तुलसी विवाह का आयोजन भी किया जाएगा।

देवोत्थान एकादशी पर दोनों दिन विशेष योग बन रहे हैं। 20 नवंबर को रवि योग रहेगा, जबकि 21 नवंबर को सिद्धि योग में पूजा–अर्चना की जाएगी। 20 नवंबर को पूजा का शुभ समय सुबह 6:48 से 10:47 बजे तक है। वहीं 21 नवंबर को सुबह 8:08 से 9:28 बजे तक पूजा कर सकते हैं।

20 नवंबर को ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5:01 से 5:54 बजे तक और अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:45 से दोपहर 12:28 बजे तक रहेगा। 21 नवंबर को ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5:01 से 5:55 बजे तक रहेगा।

इस बार एकादशी पर अग्नि पंचक और भद्रा का संयोग भी रहेगा। 20 नवंबर को अग्नि पंचक पूरे दिन रहेगा। भद्रा शाम 7 बजे से शुरू होकर 21 नवंबर सुबह 6:31 बजे तक रहेगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस अवधि में शुभ कार्य करने से बचने की सलाह दी जाती है।

व्रत का पारण गृहस्थ श्रद्धालु 21 नवंबर को दोपहर 1:11 से 3:18 बजे के बीच कर सकते हैं। वहीं वैष्णव परंपरा के अनुसार 21 नवंबर को व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं के लिए 22 नवंबर को सुबह 6:49 से 8:56 बजे तक पारण का समय बताया गया है। श्रद्धालुओं को अपनी परंपरा और स्थानीय पंचांग के अनुसार पूजा और पारण करना चाहिए।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

JAIGURUDEV MULTISPECIALITY HOSPITAL
मथुरा में सबसे कम दरों पर समस्त स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध
हमारी टीम के अनुभवी एवं विशेषज्ञ डॉक्टर

डॉ. अनिल कुमार गौतम M.B.B.S, M.D., MEDICINE (CONSULTANT PHYSICIAN)	डॉ. दुर्गेश कुमार M.B.B.S, D.N.B., ORTHO-SUR. JOINT REPLACEMENT	डॉ. वी. के. पांडे M.B.B.S. M.S. Ortho
डॉ. संदीप गोवर्धन चौहान M.B.B.S, D.N.B., NEURO SURGEON	डॉ. इला अग्रवाल M.B.B.S. M.S. Ortho	डॉ. एकता थडानी M.B.B.S., DNB. (OBGY)
डॉ. सी. एम. मवार M.B.B.S. DVD. MIADVI	डॉ. नितेश जिंदल MBBS, MD, MEDICINE	डॉ. नरेश अग्रवाल M.B.B.S., D.C.H
डॉ. अर्पण मौर्य M.B.B.S., M.S. (SURGERY) F.M.A.S F.I.A.G.E.S GERASER SURGO &	डॉ. मनदीप यादव D.P.T B.P.T	डॉ. चेतना अग्रवाल B.D.S., MIDA
डॉ. हरि प्रसाद (B.H.M.S) CONSULTANT HOMOEOPATH	डॉ. एम. माहेश्वरी M.B.B.S. (MS) OPTHOLMALOGY	आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत ₹5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार

आपातकालीन मो.नं. 7078877006
8650777901, 8953925593
Maholi Link Road, Mathura (U.P.)
आयुष्मान कार्ड धारकों का स्वागत है

देवोत्थान एकादशी पर घर लाएं कनकधारा यंत्र

कनकधारा यंत्र की स्थापना की विधि

यंत्र स्थापित करने के बाद इन बातों का रखें ध्यान

यूनिक समय, मथुरा। देवोत्थान एकादशी को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा के लिए विशेष फलदायी माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन श्रीहरि चार महीने की योगनिद्रा से जागते हैं और चातुर्मास समाप्त हो जाता है। इस वर्ष 20 नवंबर को गृहस्थ परंपरा के अनुसार देवोत्थान एकादशी मनाई जाएगी। इस शुभ अवसर पर कनकधारा यंत्र की स्थापना करना भी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में सुख–समृद्धि आती है और आर्थिक परेशानियों से मुक्ति की कामना पूरी होती है।

कनकधारा यंत्र का संबंध आदि शंकराचार्य द्वारा रचित कनकधारा स्त्रोत से माना जाता है। धार्मिक कथा के अनुसार, आदि शंकराचार्य ने माता लक्ष्मी की स्तुति में इस स्त्रोत की रचना की थी। कनक का अर्थ सोना और धारा का अर्थ प्रवाह है। इसी कारण इसे धन और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है।

देवोत्थान एकादशी पर सुबह स्नान करके घर के पूजा स्थल की सफाई करें। इसके बाद यंत्र को स्वच्छ जल से शुद्ध करके साफ कपड़े से पोंछ लें। इसे पूजा घर, तिजोरी या कार्यस्थल पर उत्तर अथवा पूर्व दिशा में स्थापित करना शुभ माना जाता है। स्थापना के समय माता लक्ष्मी की पूजा करें और कनकधारा स्तोत्र का पाठ करें। धूप, दीप और पुष्प अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना करें।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखना चाहिए। नियमित रूप से पूजा और दीप प्रज्वलित करें। पूजा स्थल पर साफ-सफाई बनाए रखें और यंत्र का अनादर न करें। समय–समय पर गंगाजल से इसकी शुद्धि भी कर सकते हैं।

चंद्रमा के प्रभाव में बीतेगा नया साल–2027

यूनिक समय, मथुरा। नया साल 2027 अंक ज्योतिष के लिहाज से खास माना जा रहा है। अंक ज्योतिष के अनुसार, वर्ष 2027 का कुल योग 2 (2+0+2+7=11, 1+1=2) है। इस अंक के स्वामी चंद्रमा माने जाते हैं। चंद्रमा का संबंध मन, भावनाओं, संवेदनशीलता और अंतर्ज्ञान से जोड़ा जाता है। ऐसे में यह वर्ष प्रेम, रिश्तों, साझेदारी और आपसी तालमेल को महत्व देने वाला हो सकता है। जहां वर्ष 2026 का अंक 1 नई शुरुआत और नेतृत्व का प्रतीक माना गया, वहीं 2027 का अंक 2 सहयोग, धैर्य और सामंजस्य की ओर संकेत करता है। अंक ज्योतिष की मान्यताओं के अनुसार, इस साल लोगों को व्यक्तिगत सफलता के साथ दूसरों के विचारों और भावनाओं को समझने पर भी ध्यान देना होगा। आइए जानते हैं कि मूलांक 1 से 9 तक के लोगों के लिए नया साल क्या संकेत लेकर आ रहा है।

मूलांक 1: सूर्य के प्रभाव वाले लोगों के लिए साझेदारी में काम करना लाभकारी हो सकता है। नेतृत्व क्षमता के साथ दूसरों की सलाह को महत्व देना जरूरी होगा।



मूलांक 2: चंद्रमा का प्रभाव इस मूलांक के लोगों के लिए अनुकूल माना जा रहा है। भावनात्मक समझ बढ़ सकती है, लेकिन अधिक संवेदनशीलता से बचना होगा।

मूलांक 3: गुरु के प्रभाव वाले लोगों को रचनात्मक कार्यों, शिक्षा और नए संपर्कों से अवसर मिल सकते हैं। साझेदारी लाभकारी रह सकती है।

मूलांक 4: राहु के प्रभाव वाले जातकों को जल्दबाजी से बचकर योजनाबद्ध तरीके से काम करना होगा। धैर्य सफलता की कुंजी रहेगा।

मूलांक 5: बुध के प्रभाव वाले लोगों के लिए नए अवसर बन सकते हैं। हालांकि, एक काम पूरा करने के बाद ही दूसरे काम की शुरुआत करना बेहतर रहेगा।

मूलांक 6 से 9: रिश्तों, धैर्य और आत्मचिंतन पर रहेगा जोर

मूलांक 6: शुक्र के प्रभाव वाले लोगों के प्रेम और पारिवारिक जीवन में मधुरता आ सकती है। विवाह और रिश्तों को लेकर सकारात्मक फैसले संभव हैं।

मूलांक 7: केतु के प्रभाव वाले जातकों की आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ सकती है। धार्मिक यात्राओं और आत्मचिंतन के अवसर मिल सकते हैं।

मूलांक 8: शनि के प्रभाव वाले लोगों को कार्यक्षेत्र में धैर्य रखना होगा। सहकर्मियों के साथ तालमेल बनाकर चलना सफलता के लिए महत्वपूर्ण रहेगा।

मूलांक 9: मंगल के प्रभाव वाले लोगों को गुस्से और जल्दबाजी पर नियंत्रण रखना होगा। शांत स्वभाव और सहयोग की भावना से कामकाज में बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। अंक ज्योतिष की ये भविष्यवाणियां पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं। इन्हें निश्चित भविष्यवाणी के बजाय सामान्य ज्योतिषीय संकेत के रूप में देखना चाहिए।

विषैले नाग की शैय्या पर क्यों निश्चिंत रहते हैं भगवान विष्णु

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू धर्म में भगवान विष्णु को सृष्टि का पालनहार कहा गया है। उनकी तस्वीरों में एक अद्भुत दृश्य अक्सर देखने को मिलता है, जिसमें श्रीहरि क्षीरसागर में शेषनाग की शैय्या पर शांत भाव से विराजमान दिखाई देते हैं। शेषनाग के विशाल फन भगवान के सिर पर छाया करते हैं, जबकि माता लक्ष्मी उनके चरणों के समीप बैठी नजर आती हैं। लेकिन इस दृश्य के पीछे केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि गहरा आध्यात्मिक संदेश भी छिपा है।

आमतौर पर नाग का नाम सुनते ही मन में भय का भाव पैदा होता है। ऐसे



में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर भगवान विष्णु एक विषैले नाग के ऊपर इतनी सहजता और शांति के साथ कैसे शयन करते हैं? पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, शेषनाग कोई साधारण सर्प नहीं, बल्कि भगवान विष्णु के परम भक्त और अनंत शक्ति के प्रतीक हैं। उनका नाम अनंतनाग भी है।

शेषनाग के हजार फनों में छिपा है ब्रह्मांड का रहस्य

क्षीरसागर और योगनिद्रा का आध्यात्मिक महत्व

शेष का अर्थ है वह जो सब कुछ समाप्त होने के बाद भी शेष रहे। इसी वजह से उन्हें अनंत काल का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, शेषनाग के हजार फन हैं। इनके हजारों फनों को ब्रह्मांड की अनंत शक्तियों, विशालता और सृष्टि के विस्तार का प्रतीक माना जाता है। भगवान विष्णु का शेषनाग पर विराजमान होना इस बात का संकेत देता है कि वे समय, परिवर्तन और संसार की तमाम सीमाओं से परे हैं। शेषनाग की विशाल फनछत्री ईश्वर के संरक्षण और सुरक्षा का प्रतीक मानी जाती है। यह दृश्य भक्त और भगवान के अटूट संबंध को भी दर्शाता है। पौराणिक कथाओं में क्षीरसागर को दूध के समान श्वेत और दिव्य समुद्र बताया गया है। इसे पवित्रता, शांति और सात्विकता का प्रतीक माना जाता है। भगवान विष्णु का इसी समुद्र में शयन करना सृष्टि के संतुलन और संरक्षण का संदेश देता है। उनकी इस अवस्था को योगनिद्रा कहा जाता है। यह सामान्य नींद नहीं, बल्कि एक दिव्य आध्यात्मिक अवस्था मानी जाती है, जिसमें श्रीहरि सृष्टि के संचालन और संरक्षण की शक्ति धारण करते हैं।

भगवान विष्णु की यह छवि मनुष्य को भी महत्वपूर्ण सीख देती है। जीवन में परिस्थितियां कितनी ही चुनौतीपूर्ण क्यों न हों, धैर्य, विवेक और मानसिक संतुलन बनाए रखना जरूरी है। शेषनाग पर शांत भाव से विराजमान श्रीहरि की छवि इसी आत्मविश्वास, शक्ति और शांति का प्रतीक मानी जाती है।

सम्पादकीय

आरती में श्रद्धा, यमुना में गंदगी क्यों

भारत में नदियों को मां का दर्जा दिया गया है। उनकी पूजा होती है, आरती उतारी जाती है और उनके जल को अमृत समान माना जाता है। लेकिन सच्ची श्रद्धा केवल दीप जलाने, फूल चढ़ाने और जयकारे लगाने से पूरी नहीं होती। जिस नदी को हम मां कहते हैं, उसकी स्वच्छता और संरक्षण की जिम्मेदारी निभाना भी हमारा धर्म है। मथुरा की यमुना हमें यही सीख देने का अवसर दे रही है।



पवन गौतम
संपादक

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं की साक्षी रही यमुना ब्रज की पहचान और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। विश्राम घाट पर होने वाली आरती हो या वृंदावन के घाटों पर उमड़ती श्रद्धालुओं की भीड़, हर जगह यमुना के प्रति लोगों का प्रेम दिखाई देता है। लेकिन इस प्रेम को व्यवहार में उतारने की जरूरत है। नालों का गंदा पानी, प्लास्टिक, पूजा सामग्री और कचरा नदी में पहुंचना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी पर सवाल खड़ा करता है। जरा सोचिए, जिस मां के चरण छूकर हम आशीर्वाद मांगते हैं, उसी के आंचल को गंदा करना कैसी श्रद्धा है? यदि हम अपने घर को साफ रखते हैं तो नदी को साफ रखना भी हमारी जिम्मेदारी होनी चाहिए। बदलाव की शुरुआत बड़े अभियानों से नहीं, बल्कि छोटी–छोटी आदतों से होती है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

हम संकल्प लें कि पूजा सामग्री नदी में प्रवाहित करने के बजाय निर्धारित संग्रह केंद्रों पर पहुंचाएंगे। प्लास्टिक और कचरा घाटों पर नहीं छोड़ेंगे। धार्मिक आयोजनों में स्वच्छता को प्राथमिकता देंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे। मंदिरों, आश्रमों, सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों को मिलकर स्वच्छता अभियान चलाना चाहिए।

साथ ही प्रशासन की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। नालों का पानी शोधित करके ही नदी में पहुंचाया जाए, सीवेज शोधन संयंत्र प्रभावी ढंग से चलें और प्रदूषण फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई हो। यमुना की सफाई केवल किसी विशेष पर्व या अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए किसी चमत्कार की जरूरत नहीं, बल्कि सामूहिक इच्छाशक्ति और निरंतर प्रयास चाहिए। याद रखिए, यमुना में एक दीप जलाना सुंदर परंपरा है, लेकिन उसकी निर्मल धारा बचाना उससे भी बड़ा पुण्य है। आइए, इस बार केवल यमुना की आरती न उतारें, बल्कि उसे स्वच्छ रखने का संकल्प भी लें। हमारी आने वाली पीढ़ियां यमुना को केवल तस्वीरों और कथाओं में नहीं, बल्कि निर्मल जल के साथ देख सकें। यही सच्ची भक्ति होगी और यही ब्रज के प्रति हमारा सबसे बड़ा योगदान होगा।

नजरिया

दुपहिया की रफ्तार में पैदल हुई सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था

बोध प्रकाश सगुणी



भारत में दुपहिया वाहन अब सिर्फ सवारी नहीं, बल्कि आम आदमी की मजबूरी, सुविधा और आजादी का दूसरा नाम बन चुके हैं। बसों की बदहाली, सार्वजनिक परिवहन की सीमित पहुंच और शहरों की अव्यवस्थित योजना ने मोटरसाइकिल और स्कूटर को ऐसा मुकाम दे दिया है कि चार पहियों वाली कार भी इनके सामने कई बार बेबस नजर आती है।

भारत में अगर किसी वाहन को वास्तव में आम आदमी का वाहन कहा जा सकता है तो वह दुपहिया ही है। यह न अमीरों की तरह पार्किंग का रोना रोता है, न बसों की तरह स्टॉप पर खड़े होकर यात्रियों को इंतजार कराता है। इसे बस एक चाबी, थोड़ा पेट्रोल और सड़क पर निकलने की जगह चाहिए। फिर चाहे गली इतनी संकरी हो कि दो लोग आमने–सामने निकलने में लोकतांत्रिक सहमति बनाने लगें, दुपहिया अपना रास्ता खोज ही लेता है। देश के पहले राष्ट्रीय घरेलू यात्रा सर्वेक्षण ने इस लोकप्रियता पर सरकारी आंकड़ों की मुहर लगा दी है। कम से कम एक किलोमीटर का सफर करने वाले कामकाजी भारतीयों में 42.6 प्रतिशत लोग मुख्य रूप से दुपहिया वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। शहरों में यह आंकड़ा बढ़कर 52.3 प्रतिशत हो जाता है। इसके मुकाबले शहरी बसों की हिस्सेदारी महज 9.2 प्रतिशत और मेट्रो, उपनगरीय रेल, मोनोरेल तथा ट्राम की कुल हिस्सेदारी पांच प्रतिशत है। कारों की हिस्सेदारी भी सिर्फ 5.7 प्रतिशत है।

यानी देश की सड़कों पर दुपहिया का राज है और सार्वजनिक परिवहन अपनी हिस्सेदारी तलाशने में व्यस्त है। यह आंकड़ा केवल मोटरसाइकिल और स्कूटर की लोकप्रियता की कहानी नहीं कहता, बल्कि बसों और दूसरी सार्वजनिक परिवहन सेवाओं की कमजोरियों का रिपोर्ट कार्ड भी पेश करता है।

दिल्ली के मोहित कश्यप की कहानी इस व्यवस्था का दिलचस्प उदाहरण है। पहले वे सात किलोमीटर की दूरी साइकिल से 45 मिनट में तय करते थे। शादी में स्कूटर मिला तो यही सफर 20 मिनट में पूरा होने लगा। बस से यह दूरी 15 मिनट में तय हो सकती है, लेकिन सीट न मिलने और बस के देर से आने की आशंका उन्हें स्कूटर पर ही भरोसा करने को मजबूर करती है। यानी बस समय बचा सकती है, लेकिन यात्री का भरोसा नहीं। यह सार्वजनिक परिवहन की सबसे बड़ी विडंबना है।

हमारे शहरों में बसों की संख्या बढ़ाने की घोषणाएं खूब होती हैं। नए मार्गों के सर्वे भी होते हैं और योजनाओं के नक्शे भी बनते हैं। मगर आम यात्री का सवाल आज भी वही है कि बस आएगी कब, रुकेगी कहां और उसमें बैठने की जगह मिलेगी या नहीं? कई जगह बस स्टॉप तक पहुंचना ही किसी अभियान से कम नहीं। कहीं फुटपाथ पर अतिक्रमण है तो कहीं बस स्टॉप के आसपास वाहनों का कब्जा। ऐसे में यात्री के पास स्कूटर की चाबी उठाने के अलावा विकल्प भी क्या बचता है?

दुपहिया वाहन की सबसे बड़ी ताकत उसकी आजादी है। घर के दरवाजे से निकलकर सीधे काम की जगह तक पहुंचने की सुविधा उसे खास बनाती है। बाजार जाना हो, बच्चों को स्कूल छोड़ना हो, बुजुर्गों को अस्पताल ले जाना हो या किसी जरूरी काम से अचानक निकलना हो, दुपहिया हर जगह तैयार है। बस और मेट्रो के साथ आखिरी दूरी तय करने की समस्या भी बनी रहती है। यही वजह है कि सार्वजनिक परिवहन के विस्तार के बावजूद निजी दुपहिया की जरूरत खत्म नहीं होती।

वित्त वर्ष 2026 में देश में 2.17 करोड़ मोटरसाइकिल और स्कूटर बिके। पिछले साल के मुकाबले यह 10.7 प्रतिशत अधिक है। पांच साल पहले के मुकाबले बिक्री में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। नए वाहनों की कुल बिक्री में दुपहिया की हिस्सेदारी 77 प्रतिशत से ज्यादा है। इन आंकड़ों को देखकर वाहन कंपनियों के चेहरे खिलना स्वाभाविक है। आखिर बाजार ने बता दिया है कि भारतीय ग्राहक को ऐसी सवारी चाहिए जो उसकी जेब, जरूरत और समय तीनों के अनुकूल हो।

लेकिन इस लोकप्रियता के साथ कुछ गंभीर सवाल भी खड़े होते हैं। सड़कों पर बढ़ते दुपहिया वाहन ट्रैफिक जाम, प्रदूषण, पार्किंग और सड़क सुरक्षा की चुनौतियां भी बढ़ाते हैं। हेलमेट की अनदेखी, अव्यवस्थित यातायात और फुटपाथों पर दोपहिया वाहनों की आवाजाही पैदल यात्रियों की परेशानी बढ़ाती है। सड़कें अगर केवल वाहनों के लिए बनाई जाएंगी तो पैदल चलने वालों के हिस्से में आखिर बचेगा क्या?

यहां सरकारों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। इलेक्ट्रिक दुपहिया वाहनों और सार्वजनिक चार्जिंग नेटवर्क का विस्तार प्रदूषण कम करने में मदद कर सकता है। लेकिन केवल पेट्रोल की जगह बिजली से चलने वाला वाहन ला देने से शहरों की सारी समस्याएं हल नहीं होंगी। जाम में फंसा इलेक्ट्रिक स्कूटर भी उतना ही परेशान होगा जितना पेट्रोल वाला। असली जरूरत बेहतर सार्वजनिक परिवहन, सुरक्षित फुटपाथ, साइकिल ट्रैक और व्यवस्थित पार्किंग की है।

दुपहिया को सड़कों से हटाने की बात करना व्यावहारिक नहीं है। इसे चलाने वाले लोग कोई शौकिया भीड़ नहीं, बल्कि देश की रोजमर्रा की अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं। इनमें नौकरीपेशा, छोटे व्यापारी, विद्यार्थी, किसान और सामान पहुंचाने वाले कामगार शामिल हैं। उनके लिए दुपहिया विलासिता नहीं, जीवन की जरूरत है।

समस्या दुपहिया की लोकप्रियता नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की कमजोरी है जिसने लोगों को निजी वाहन खरीदने के लिए मजबूर कर दिया है। सरकारें अगर चाहती हैं कि लोग बस और मेट्रो में सफर करें तो पहले उन्हें भरोसेमंद, सुविधाजनक और समयबद्ध सेवा देनी होगी। केवल विज्ञापन में सार्वजनिक परिवहन को शानदार दिखाने से यात्री अपनी स्कूटर की चाबी नहीं छोड़ने वाला।

आखिर दुपहिया ने तो अपना काम कर दिया है। उसने आम आदमी को चलने की आजादी दे दी। अब बारी सरकारों की है कि वे शहरों को इस काबिल बनाएं कि लोगों को हर छोटे–बड़े काम के लिए निजी वाहन निकालना जरूरी न पड़े। वरना आने वाले समय में शहरों की पहचान विकास की रफ्तार से नहीं, सड़कों पर दौड़ते स्कूटरों की कतार से होगी। और तब शायद बसों को देखकर लोग यही पूछेंगे कि ये सड़क पर चलने के लिए हैं या सिर्फ सरकारी तस्वीरों में दिखाई देने के लिए?

विचार विंडो

डिग्रियों की दौड़ में कहीं पीछे छूटता विद्यार्थी जीवन

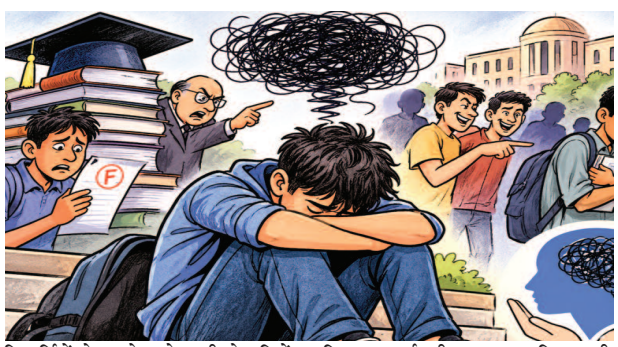
नीरज दुबे

उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों पर बढ़ता अकादमिक दबाव, जातिगत भेदभाव और कमजोर शिकायत निवारण व्यवस्था गंभीर चिंता का विषय है। आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में सामने आ रही घटनाएं बताती हैं कि केवल ऊं ची रैंकिंग और बेहतर प्लेसमेंट किसी संस्थान की सफलता का पैमाना नहीं हो सकते।

देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों को कभी सपनों की मंजिल माना जाता था। छोटे शहरों और साधारण परिवारों से आने वाले विद्यार्थी दिन–रात मेहनत करके यहां तक पहुंचते हैं। परिवार अपनी जमा–पूंजी, उम्मीदें और कई बार अपनी पूरी जिंदगी की बचत बच्चों की पढ़ाई पर लगा देते हैं। उन्हें लगता है कि प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिला मिलते ही भविष्य की राह आसान हो जाएगी। लेकिन जब यही संस्थान विद्यार्थियों के लिए मानसिक दबाव, असुरक्षा और अकेलेपन का कारण बनने लगें तो शिक्षा व्यवस्था की चमक पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

आईआईटी बॉम्बे और हाल ही में आईआईटी रुड़की में विद्यार्थियों से जुड़ी आत्महत्या की घटनाओं ने एक बार फिर उच्च शिक्षण संस्थानों के वातावरण पर गंभीर बहस छेड़ दी है। ऐसी घटनाओं को केवल व्यक्तिगत परेशानी या किसी विद्यार्थी की निजी परिस्थिति बताकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। प्रत्येक घटना की परिस्थितियां अलग हो सकती हैं, लेकिन लगातार सामने आ रहे मामले संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक समानता और शैक्षणिक दबाव की पड़ताल जरूरी बनाते हैं। आज उच्च शिक्षा का माहौल कई जगह प्रतिस्पर्धा की ऐसी दौड़ में बदल गया है, जहां विद्यार्थी को हर समय अपनी योग्यता साबित करनी पड़ती है। अच्छे अंक, शोध, उपस्थिति, परीक्षा, परियोजनाएं और भविष्य में नौकरी पाने की चिंता उसके जीवन का बड़ा हिस्सा बन जाती हैं। ऊपर से परिवार और समाज की अपेक्षाएं अलग। जिस विद्यार्थी को कभी परिवार का गौरव कहा जाता था, उसी से हर परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद की जाती है। मानो डिग्री नहीं, हर समय सफलता का प्रमाणपत्र लेकर चलना उसकी जिम्मेदारी हो।

शैक्षणिक दबाव के साथ जातिगत भेदभाव की समस्या भी कम गंभीर नहीं है। राष्ट्रीय कार्यबल की अंतरिम रिपोर्ट ने उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षित वर्ग के



विद्यार्थियों के सामने आने वाली परेशानियों की ओर ध्यान खींचा है। रिपोर्ट के अनुसार, दाखिले के बाद अपमानजनक व्यवहार, आरक्षित सीटों तक पहुंच में बाधाएं और जातिगत समस्याएं उठाने वाले विद्यार्थियों को परेशान किए जाने जैसी शिकायतें सामने आई हैं। विडंबना यह है कि समान अवसर की बात करने वाले संस्थानों में समानता सुनिश्चित करने के लिए बनाए गए प्रकोष्ठ भी कई जगह प्रभावी नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 1,456 उच्च शिक्षण संस्थानों में से 1,264 ने समान अवसर प्रकोष्ठ स्थापित होने की जानकारी दी। लेकिन केवल प्रकोष्ठ बना देना समस्या का समाधान नहीं है। सवाल यह है कि क्या वहां शिकायत सुनने वाला जिम्मेदार अधिकारी है? क्या शिकायतकर्ता की पहचान सुरक्षित रहती है? क्या दोषी के खिलाफ कार्रवाई होती है?

यदि विद्यार्थी को यह डर हो कि भेदभाव की शिकायत करने पर उसके शैक्षणिक भविष्य को नुकसान पहुंच सकता है तो वह अपनी बात किससे कहेगा? शिकायत दर्ज कराने की व्यवस्था तभी सफल मानी जाएगी, जब शिकायतकर्ता को न्याय मिलने का भरोसा हो। कागजों पर बने प्रकोष्ठ संस्थानों की छवि तो चमका सकते हैं, लेकिन विद्यार्थियों की परेशानी दूर नहीं कर सकते। थोरात समिति की रिपोर्ट से लेकर राष्ट्रीय कार्यबल की पड़ताल तक, समय–समय पर सामने आए तथ्य बताते हैं कि यह समस्या नई नहीं है। विद्यार्थियों को जातिसूचक टिप्पणियों, सामाजिक बहिष्कार और उनकी शैक्षणिक क्षमता पर सवाल उठाए जाने जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। किसी विद्यार्थी की प्रतिभा को उसकी जाति या सामाजिक पृष्ठभूमि से जोड़कर देखना शिक्षा के मूल उद्देश्य के ही विपरीत है।

यूजीसी के वर्ष 2026 के समानता संबंधी नियमों में शिकायतों के निपटारे के लिए समयबद्ध प्रक्रिया निर्धारित की गई थी, लेकिन इन नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक के बाद संस्थानों की जवाबदेही का सवाल और महत्वपूर्ण हो गया है। नियमों पर कानूनी स्थिति स्पष्ट होने तक भी मानसिक स्वास्थ्य सहायता और भेदभाव से सुरक्षा की जिम्मेदारी समाप्त नहीं हो जाती।

इस दिशा में सबसे पहले संस्थानों को अपने भीतर का वातावरण बदलना होगा। प्रत्येक परिसर में प्रशिक्षित परामर्शदाता, गोपनीय शिकायत व्यवस्था और निष्पक्ष जांच तंत्र होना चाहिए। शिक्षकों को भी यह समझना होगा कि उनका व्यवहार विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और भविष्य को प्रभावित करता है। केवल पाठ्यक्रम पूरा कराना शिक्षक की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को सम्मानजनक और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण देना भी उनका दायित्व है।

परिवारों को भी बच्चों से केवल अंकों और नौकरी की चर्चा करने के बजाय उनकी परेशानियां सुननी चाहिए। असफलता को जीवन का अंत मानने वाली सोच बदलनी होगी। शिक्षण संस्थानों में यह संदेश स्पष्ट होना चाहिए कि कम अंक आना, किसी परीक्षा में पिछड़ जाना या अपेक्षित सफलता न मिलना किसी विद्यार्थी की प्रतिभा और जीवन का मूल्य तय नहीं करता।

देश को डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और प्रशासक चाहिए, लेकिन उससे पहले संवेदनशील और सुरक्षित शिक्षण संस्थान चाहिए। आईआईटी की ऊंची इमारतें, शानदार प्रयोगशालाएं और अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग तभी सार्थक हैं, जब उनके भीतर पढ़ने वाला प्रत्येक विद्यार्थी सम्मान और भरोसे के साथ अपना भविष्य बना सके। शिक्षा का उद्देश्य केवल प्रतिभा को प्रतियोगिता में उतारना नहीं, बल्कि उसे विकसित करना है। आखिर संस्थान की असली सफलता उसकी इमारतों और प्लेसमेंट के आंकड़ों से नहीं, वहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों के सुरक्षित, सम्मानजनक और खुशहाल भविष्य से मापी जानी चाहिए।

हॉकी का महासंग्राम, चौथे खिताब के लिए मलेशिया से भिड़ेगी टीम इंडिया

पहली बार मध्य प्रदेश को मिली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

10 दिन तक छह देशों के बीच होगा मुकाबला



यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार से महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी–2026 का रोमांच शुरू होने जा रहा है। 19 से 28 नवंबर तक चलने वाली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में छह देशों की टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी। टूर्नामेंट का आयोजन नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया जा रहा है। खास बात यह है कि मध्य प्रदेश पहली बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के खिलाफ करेगी। भारत की नजर चौथी बार खिताब जीतने पर है। प्रतियोगिता में भारत के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें हिस्सा ले रही हैं। करीब 150 खिलाड़ी मैदान पर अपना दम दिखाएंगी, जबकि विदेशी खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ समेत 200 से अधिक लोगों के भोपाल पहुंचने की संभावना है। टूर्नामेंट के मुकाबलों का प्रसारण 166 देशों में किया जाएगा। पहले दिन तीन मुकाबले खेले जाएंगे। दोपहर 12:15 बजे चीन और थाईलैंड आमने–सामने होंगे, जबकि 2:30 बजे जापान और दक्षिण कोरिया के बीच मुकाबला होगा। इसके बाद शाम 4:45 बजे भारत और मलेशिया की भिड़ंत होगी। भारतीय टीम 21 नवंबर को दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से खेलेगी। लीग चरण के बाद शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। 27 नवंबर को सेमीफाइनल और 28 नवंबर को कांस्य पदक तथा फाइनल मुकाबला होगा। फाइनल शाम 7 बजे खेला जाएगा। भारत और दक्षिण कोरिया अब तक तीन–तीन बार यह खिताब जीत चुके हैं। ऐसे में भारतीय टीम के पास चौथी बार ट्रॉफी जीतकर सबसे सफल टीम बनने का मौका है। आयोजकों के मुताबिक, करीब पांच हजार दर्शकों की क्षमता वाले स्टेडियम में प्रवेश निशुल्क रहेगा। यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का हॉकी टर्फ, प्रैक्टिस फील्ड और फ्लड लाइट की व्यवस्था की गई है।

सागरिका के डांस ने मचाया धमाल बेटे को दुलारते दिखे जहीर खान

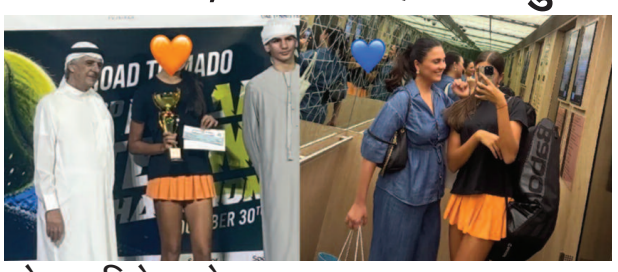


साले की शादी में दिखा क्रिकेटर का फैमिली मैन अंदाज

वायरल हुआ संगीत नाइट का वीडियो

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस सागरिका घाटगे और पूर्व भारतीय क्रिकेटर जहीर खान इन दिनों जयपुर में अपने परिवार की शादी का जश्न मना रहे हैं। सागरिका के छोटे भाई शिवजीत घाटगे की शादी पल्लवी के साथ धूमधाम से हुई। इस दौरान संगीत समारोह में सागरिका ने अपनी गर्ल्स गैंग के साथ जमकर डांस किया। उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आइवरी और सिल्वर शेड के गोल्डन कढ़ाई वाले लहंगे में सागरिका बेहद खूबसूरत नजर आईं। उन्होंने चोकर, ईयररिंग्स और मांग टीके से अपना लुक पूरा किया। वहीं, जहीर खान का एक प्यारा फैमिली मोमेंट भी चर्चा में रहा। सामने आई तस्वीर में वह अपने बेटे फतेहसिंह को गोद में लेकर प्यार करते नजर आए। उन्होंने बेटे के माथे से अपना माथा लगाया हुआ था। जहीर सफेद बंदगला और ट्राउजर में दिखे, जबकि फतेहसिंह गोल्डन–बेज जैकेट में नजर आए। शादी में आशीष नेहरा, पार्थिव पटेल और अजीत अगरकर भी शामिल हुए।

टेनिस चैंपियन बनीं लारा दत्ता की बेटी सायरा, मां ने जाहिर की खुशी



महेश भूपति के नक्शे कदम पर चल रहीं सायरा

बेटी की जीत पर गर्व से झूमीं 'रामायण' की कैकेयी

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'रामायण' में कैकेयी का किरदार निभाकर चर्चा बटोर रहीं एक्ट्रेस लारा दत्ता इन दिनों दोहरी खुशी मना रही हैं। उनकी बेटी सायरा ने टेनिस चैंपियनशिप जीतकर परिवार का नाम रोशन किया है। बेटी की इस कामयाबी पर लारा ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा करते हुए गर्व जाहिर किया। सायरा ने संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह स्थित टेनिस एंड कंट्री क्लब में आयोजित टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर ट्रॉफी अपने नाम की। तस्वीरों में वह टेनिस कोर्ट पर खेलती और जीत की ट्रॉफी के साथ पोज देती नजर आ रही हैं। लारा ने बेटी की निजता का ध्यान रखते हुए तस्वीरों में उसका चेहरा इमोजी से छिपाया है। उन्होंने भावुक पोस्ट में लिखा कि वह अपनी बेटी के साथ टूर्नामेंट में गई थीं और जीत की खुशी लेकर लौटी हैं। उन्होंने सायरा पर गर्व जताते हुए उसकी तारीफ की। बता दें कि लारा ने 2011 में टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति से शादी की थी। दोनों जनवरी 2012 में बेटी सायरा के माता–पिता बने। महेश भूपति 12 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। ऐसे में बेटी की टेनिस में सफलता परिवार के लिए खास है।

आयुष्मान खुराना की 'ये प्रेम मोल लिया' का ट्रेलर रिलीज



शर्वरी के परिवार की जिम्मेदारी निभाएंगे आयुष्मान

फिल्म में अनुपम खेर समेत दिखेंगे 20 कलाकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। डायरेक्टर सूरज बड़जात्या की अपकमिंग फैमिली एंटरटेनर फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का ट्रेलर 18 नवंबर को मुंबई में लॉन्च किया गया। इस मौके पर फिल्म के करीब 20 कलाकार मौजूद रहे। फिल्म में आयुष्मान खुराना पहली बार बड़जात्या के चर्चित किरदार प्रेम के रूप में नजर आएंगे, जबकि शर्वरी लीड एक्ट्रेस हैं। ट्रेलर की शुरुआत दोनों की शादी के सीन से होती है। कहानी में शर्वरी ऐसे परिवार से आती हैं, जहां सिर्फ महिलाएं हैं और घर की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं पर है। ऐसे में शादी के बाद परिवार को छोड़ना उनके लिए मुश्किल होता है। प्रेम यानी आयुष्मान अपनी पत्नी की जिम्मेदारियों को समझते हुए शादी के बाद अपने पूरे परिवार के साथ ससुराल में रहने का फैसला करते हैं। इसके बाद दो परिवारों के एक छत के नीचे रहने से कई मजेदार और भावुक पल देखने को मिलते हैं। फिल्म में अनुपम खेर, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, सौम्या टंडन, स्वानंद किरकिरे और श्रुति सेठ समेत कई कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। राजश्री प्रोडक्शंस और महावीर जैन फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

देवदत्त पडिक्कल ने छोड़ा आसान कैच पंत और गिल का रिएक्शन हुआ वायरल



हेनरी निकोल्स को मिला जीवनदान

कैच लेने के चक्कर में पंत और पडिक्कल के बीच हुई गफलत

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन देवदत्त पडिक्कल की एक बड़ी गलती चर्चा में आ गई। उन्होंने न्यूजीलैंड के बल्लेबाज हेनरी निकोल्स का आसान कैच छोड़ दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें ऋषभ पंत और कप्तान शुभमन गिल का रिएक्शन भी देखने लायक है। दरअसल, मैच के 74वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर निकोल्स ने पुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले का किनारा लेकर बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ चली गई। वहां मौजूद पडिक्कल कैच लेने के लिए आगे बढ़े, जबकि पंत भी गेंद की तरफ दौड़ पड़े। दोनों के बीच तालमेल नहीं बन पाया और गेंद पडिक्कल के हाथों से छिटककर जमीन पर गिर गई। इसके बाद दोनों खिलाड़ी एक–दूसरे को देखते नजर आए, जबकि गिल भी निराश दिखाई दिए। पहले दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड ने पांच विकेट पर 243 रन बना लिए थे। निकोल्स 113 और ग्लेन फिलिप्स 94 रन बनाकर नाबाद लौटे।

हेनरी निकोल्स के शतक ने पलटी बाजी, न्यूजीलैंड की शानदार वापसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन हेनरी निकोल्स ने शानदार शतक जड़कर मुकाबले का रुख बदल दिया। वेलिंग्टन में खेले जा रहे इस मैच में भारतीय टीम ने शुरुआत में दबदबा बनाया था। न्यूजीलैंड ने महज 70 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। निकोल्स ने 188 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। वेलिंग्टन के मैदान पर यह उनका पांचवां टेस्ट शतक है। उन्होंने यहां 11 टेस्ट मैचों में पांच शतक और चार अर्धशतक लगाए हैं। खास बात यह है कि भारत के खिलाफ इससे पहले 10 पारियों में उनके बल्ले से केवल 122 रन निकले थे। वहीं, इस शतक के साथ निकोल्स वेलिंग्टन में पांच टेस्ट शतक लगाने वाले न्यूजीलैंड के चुनिंदा बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। मार्टिन क्रो और केन विलियमसन भी यहां यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।

दस साल की अन्वी ने समुद्र में रचा इतिहास

धरमतर से गेटवे ऑफ इंडिया तक तय किया सफर

अब इंग्लिश चैनल पार करने का सपना



यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के डोंबिवली की 10 साल की अन्वी सुवर्णा ने अपनी शानदार तैराकी से सबको हैरान कर दिया है। उन्होंने समुद्र में 36 किलोमीटर की दूरी तैरकर महज 8 घंटे 34 मिनट और 12 सेकंड में पूरी की। अन्वी ने धरमतर से मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया तक का सफर तय कर अपने शहर और महाराष्ट्र का नाम रोशन किया।

उनकी इस उपलब्धि के पीछे कड़ी मेहनत, नियमित अभ्यास और परिवार का सहयोग रहा।

उनके माता–पिता शैलेश सुवर्णा और सौम्या सुवर्णा ने इस चुनौती के दौरान उनका हौसला बढ़ाया। खास तौर पर उनकी मां ट्रेनिंग के दौरान लगातार उनके साथ रहीं।

अन्वी की यह उपलब्धि केवल खेल तक सीमित नहीं रही। उन्होंने अपने अभियान के जरिए जल संरक्षण और समुद्री प्रदूषण रोकने का संदेश भी दिया।

उन्होंने लोगों से पानी का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने और समुद्र को साफ रखने की अपील की। इससे पहले अन्वी ने साल 2025 में 17 किलोमीटर की समुद्री तैराकी पूरी की थी।

इस बार उन्होंने अपनी पिछली उपलब्धि से दोगुने से भी ज्यादा दूरी तय की है। अब अन्वी का अगला लक्ष्य इंग्लिश चैनल पार करना है। इसके लिए वह आने वाले समय में और कठिन ट्रेनिंग करने की तैयारी कर रही हैं। इतनी कम उम्र में उनकी यह उपलब्धि दूसरे बच्चों के लिए भी प्रेरणा बन गई है।

दीया मिर्जा ने नवाजुद्दीन पर निकाली भड़ास, पुराने विवाद फिर चर्चा में

एक्ट्रेस ने कहा–बात करने की तमीज नहीं एटीट्यूड अलग लेवल का



यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा ने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को बुरा सपना बताया है। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर नवाज को टैग करते हुए लिखा, "बात करने की तमीज नहीं, एटीट्यूड अलग लेवल का।" दीया के इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई। हालांकि, कुछ यूजर्स इसे उनकी आने वाली सीरीज 'डॉ. हसन' का पब्लिसिटी स्टंट बता रहे हैं। नवाजुद्दीन ने अब तक इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। नवाजुद्दीन इससे पहले भी कई विवादों में घिर चुके हैं। 2017 में अपनी आत्मकथा 'एन ऑर्डिनरी लाइफ' में निजी रिश्तों का जिक्र करने पर निहारिका सिंह और सुनीता राजवार ने आपत्ति जताई थी।

विवाद बढ़ने पर अभिनेता ने माफी मांगते हुए किताब वापस ले ली थी। 2016 में फिल्म 'बाबूमोशाय बंदूकबाज' के सेट पर असहज सीन को लेकर चित्रांगदा सिंह ने फिल्म छोड़ दी थी। वहीं, पत्नी आलिया के साथ तलाक और 100 करोड़ रुपये के मानहानि मुकदमे को लेकर भी वह सुर्खियों में रहे।

यूपी एसटीएफ की छापेमारी,हिमाचल में नकली दवाओं की फैक्ट्री पकड़ी

अजिथ्रोमाइसिन, पैन-डी और प्रेगाबालिन समेत कई दवाओं के नकली होने का खुलासा

मशीनें और दस्तावेज जब्त वाराणसी से हिमाचल तक फैले नेटवर्क की जांच शुरू



यूनिकसमय, वाराणसी/नालागढ़। मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले नकली दवा कारोबार का हिमाचल प्रदेश में बड़ा खुलासा हुआ है। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की संयुक्त टीम ने हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के नालागढ़ में छापेमारी कर नकली दवाएं बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है।

कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री में दवाओं के निर्माण की गतिविधियां चलती मिलीं। टीम ने मशीनें, पैकिंग उपकरण और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं। इस कार्रवाई से नकली दवाओं के अंतरराज्यीय कारोबार का पर्दाफाश हुआ है।

वाराणसी में नकली दवाओं का स्टॉक पकड़े जाने के बाद शुरू हुई जांच की कड़ियां हिमाचल तक पहुंचीं। जांच एजेंसियों ने 17 प्रकार की दवाओं के स्त्रोत का पता लगाने की कोशिश की।

इसी दौरान नालागढ़, राजपुरा और खेड़ा बाईपास क्षेत्र में छापेमारी की गई। कार्रवाई में हिमाचल प्रदेश के खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम भी शामिल रही।

पैन-डी और अजिथ्रोमाइसिन समेत कई दवाएं जांच के घेरे में

वाराणसी एफएसडीए की कमिश्नर डॉ. रोशन जैकब के अनुसार, फैक्ट्री में ब्लिस्टर पैकिंग मशीन, पैकिंग मशीन, कैप्सूल भरने की मशीन, छपी हुई पन्नियां और स्टीरियो प्रिंटिंग उपकरण मिले हैं। पैन-डी और प्रेगाबालिन आधारित दवाओं को जांच में नकली पाया गया है। इसके अलावा सेफिक्सिम-अजिथ्रोमाइसिन और एमोक्सिसिलिन-क्लैवुलैनिक एसिड जैसी दवाएं भी जांच के दायरे में हैं। जीरोडोल एसपी, मांटिना एल, रेबिसेक एलएस, क्लैवेम 625, शेलकाल 500 और टैक्सिम ओ 200 से संबंधित सामग्री भी मिली है। इनकी गुणवत्ता और प्रामाणिकता की जांच की जा रही है।

वाराणसी से मुरादाबाद तक नेटवर्क खंगाल रही एजेंसियां

जांच में वाराणसी, मुरादाबाद और लखनऊकी कड़ियां सामने आई हैं। एजेंसियां पता लगा रही हैं कि फैक्ट्री में तैयार नकली दवाओं की आपूर्ति किन राज्यों और शहरों में की जा रही थी। फैक्ट्री को स्थानीय औषधि प्रशासन और पुलिस के हवाले कर दिया गया है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने नकली और घटिया दवाएं बनाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

कानपुर में 63 बिल्डरों पर अवैध निर्माण का आरोप



न पार्किंग, न फायर सेफ्टी और न इमरजेंसी रास्ता

राधिका अपार्टमेंट अग्निकांड में दो मौतों के बाद बिल्डर-केडीए गठजोड़ पर उठे सवाल

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में अवैध बहुमंजिला इमारतों का मामला सामने आने के बाद शहर में हड़कंप मचा है। घनी आबादी वाले इलाकों में महज 30 से 40 वर्गगज के भूखंडों पर पांच से छह मंजिला इमारतें खड़ी कर दी गई हैं। इनमें न पार्किंग की व्यवस्था है, न आग बुझाने के इंतजाम और न ही आपात स्थिति में बाहर निकलने का सुरक्षित रास्ता। पटकापुर के राधिका अपार्टमेंट में आग लगने से दो लोगों की मौत के बाद यह मामला सुर्खियों में आया है। पुलिस ने शहर के अलग-अलग इलाकों में अवैध निर्माण कराने वाले करीब 63 बिल्डरों को चिन्हित किया है। इनमें चमनगंज, बेकनगंज, अनवरगंज, सीसामऊ, कर्नलगंज, बजरिया और जाजमऊ समेत कई क्षेत्र शामिल हैं। आरोप है कि बिल्डर जमीन मालिकों और केडीए के कुछ अधिकारियों की कथित मिलीभगत से निर्माण नियमों को ताक पर रखकर अपार्टमेंट बनाते हैं और सस्ते फ्लैट का लालच देकर बेच देते हैं। पटकापुर में 28 वर्गमीटर के भूखंड पर पांच मंजिला इमारत और शिवधाम अपार्टमेंट जैसे कई निर्माण सामने आए हैं। कुछ इमारतों पर ध्वस्तीकरण के नोटिस चस्पा होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। राधिका अपार्टमेंट अग्निकांड में राखी साहू और प्रांजल बाथम की जान गई थी। मामले में बिल्डर मोहित तिवारी, प्यारे खान, शफीक, पूर्व पार्षद मन्नू रहमान और सरबजीत कौर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उधर, केडीए ने नई सड़क और मेस्टन रोड पर दो अवैध निर्माण सील किए हैं। पुलिस और प्राधिकरण अब अवैध निर्माण के नेटवर्क और जिम्मेदार लोगों की भूमिका की जांच कर रहे हैं।

आगरा में जिंदा महिला को मृत बताने का आरोप, एंबुलेंस में हुई हलचल



ऑपरेशन के लिए कर्ज लेकर और जेवर बेचकर जमा किए थे 70 हजार रुपये

यूनिक समय, आगरा। आगरा के समर्पण ब्लड बैंक एंड हॉस्पिटल में लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल के डॉक्टरों ने जीवित महिला मरीज को मृत घोषित कर दिया और उसे घर ले जाने के लिए कह दिया। लेकिन एंबुलेंस में ऑक्सीजन हटाते ही महिला के शरीर में हलचल दिखाई देने लगी। परिजनों के मुताबिक, महिला के ऑपरेशन और इलाज के नाम पर अस्पताल में करीब 70 हजार रुपये जमा कराए गए थे। परिवार ने यह रकम जुटाने के लिए कर्ज लिया और अपने जेवर तक बेच दिए। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने पैसे लेने के बावजूद कोई रसीद नहीं दी। परिजनों का कहना है कि डॉक्टरों ने महिला की हालत को देखते हुए 72 घंटे तक निगरानी की बात कही थी, लेकिन करीब 48 घंटे में ही उसे मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद महिला को एंबुलेंस से घर ले जाया जा रहा था। रास्ते में ऑक्सीजन हटाने पर उसके शरीर में हलचल नजर आई। यह देखकर परिवार के लोग घबरा गए और अस्पताल में विरोध शुरू कर दिया। आरोप है कि करीब आधे घंटे बाद महिला को दोबारा ऑक्सीजन लगाई गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में काफी देर तक हंगामा हुआ और पुलिस को बुलाना पड़ा। परिजनों ने इलाज में लापरवाही और अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। फिलहाल अस्पताल की ओर से मामले पर कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया है।

काशी में पहली बार गंगा के बीच होगा ड्रोन शो, 11 लाख दीपों से जगमगाएंगे घाट



24 नवंबर को देव दीपावली पर 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान

सुरक्षा में तैनात होंगे 4 हजार पुलिसकर्मी

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी में 24 नवंबर को होने वाली देव दीपावली की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस बार गंगा के सभी घाटों पर करीब 11 लाख दीप जलाए जाएंगे। पहली बार गंगा के बीच ड्रोन शो आयोजित होगा, जिसे दोनों किनारों से देखा जा सकेगा। जिला प्रशासन को आयोजन में 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं और पर्यटकों के पहुंचने की उम्मीद है। नमो घाट, गायघाट, पंचगंगा, दशाश्वमेध, शीतला, केदार, तुलसी और अस्सी घाट पर विशेष गंगा आरती होगी। चेत सिंह किले पर लेजर शो आयोजित किया जाएगा। भीड़ और सुरक्षा संभालने के लिए 25 आईपीएस, करीब 50 पीपीएस अधिकारियों और 4 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी। नावों के संचालन के लिए फ्लोटिंग लेन बनाई जाएगी। सभी यात्रियों के लिए लाइफ जैकेट अनिवार्य होगी और ओवरलोडिंग पर कार्रवाई की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पार्किंग स्थलों की व्यवस्था की गई है, ताकि उन्हें आयोजन स्थल तक एक किलोमीटर से ज्यादा पैदल न चलना पड़े। काशी विश्वनाथ धाम में भी दीप जलाए जाएंगे। मंदिर प्रशासन को यहां करीब ढाई लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर, पेयजल और मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

दो बाइक, पांच युवक और मौत का तांडव, बलरामपुर में भीषण हादसा



उतरौला क्षेत्र में बुधवार देर रात हुआ दर्दनाक सड़क हादसा

पांच दोस्तों की मौत से इलाके में पसरा मातम

यूनिक समय, बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में बुधवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने पांच परिवारों की खुशियां छीन लीं। उतरौला थाना क्षेत्र में दो बाइकों पर सवार पांच युवक हादसे का शिकार हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। हादसे में पांचों युवकों की जान चली गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे की खबर से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हादसा देर रात हुआ, हालांकि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी विस्तृत जानकारी जांच के बाद सामने आएगी।

नोएडा के 150 किसानों को जल्द मिलेंगे आबादी प्लॉट

करीब 2200 पात्र किसानों को मिलना है लाभ

अब तक 1500 को आवंटन,नई नीति से गांवों के नजदीक मिल सकेगी जमीन



यूनिक समय, नोएडा। नोएडा में पांच प्रतिशत आबादी प्लॉट का इंतजार कर रहे किसानों को जल्द राहत मिल सकती है। नोएडा प्राधिकरण ने शेष पात्र किसानों को प्लॉट आवंटित करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। पहले चरण में करीब 150 किसानों को प्लॉट देने की तैयारी है। इसके लिए लगभग 58 हजार वर्गमीटर जमीन चिन्हित की जा रही है। प्राधिकरण के सीईओ कृष्णा करुणेश के मुताबिक, जमीन की पहचान और जरूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आवंटन किया जाएगा। इस बार किसानों को उनके गांव के आसपास आबादी प्लॉट उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर भी काम हो रहा है। नई नीति के तहत गांव की बाहरी सीमा यानी पेरीफेरल क्षेत्र में आने वाली जमीन का इस्तेमाल भी प्लॉट आवंटन के लिए किया जा सकेगा। इससे किसानों को अपने गांव से दूर जमीन देने की समस्या कम होने की उम्मीद है। प्राधिकरण के अनुसार, इस योजना के तहत करीब 2200 किसानों को लाभ मिलना है। इनमें से लगभग 1500 किसानों को पहले ही प्लॉट आवंटित किए जा चुके हैं, जबकि करीब 700 किसानों का आवंटन बाकी है। जमीन की कमी के कारण कई पात्र किसानों को लंबे समय से इंतजार करना पड़ रहा है। पांच प्रतिशत आबादी प्लॉट की मांग को लेकर किसान कई बार धरना-प्रदर्शन कर चुके हैं। उनका कहना है कि भूमि अधिग्रहण के बदले मिलने वाला प्लॉट उनका अधिकार है। फिलहाल पहले चरण में 150 किसानों के लिए जमीन की व्यवस्था की जा रही है। हालांकि, प्राधिकरण ने अभी आवंटन की निश्चित तारीख घोषित नहीं की है।

कोर्ट में पेश नहीं हुए चंद्रशेखर आजाद घर की कुर्की का आदेश जारी

यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद की एमपी-एमएलए कोर्ट ने नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद के घर की कुर्की का आदेश जारी किया है। 17 नवंबर को अदालत में पेश नहीं होने के कारण यह कार्रवाई की गई। बताया गया कि चंद्रशेखर आजाद मुंबई में संसदीय कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने के चलते कोर्ट नहीं पहुंच सके थे। यह मामला 2018 में साहिबाबाद के वृंदावन गार्डन में एक शादी समारोह के दौरान हुए विवाद और मारपीट से जुड़ा है। शिकायतकर्ता धर्मेंद्र कुमार ने आरोप लगाया था कि हथियारों को लेकर सवाल पूछने पर चंद्रशेखर आजाद और उनके समर्थकों ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की थी। इस मामले में उनके खिलाफ पहले गैर-जमानती वारंट भी जारी हुआ था। चंद्रशेखर के वकील चांद आलम ने अदालत में प्रार्थनापत्र देकर अगली तारीख पर पेश होने की अनुमति मांगी थी। सांसद ने कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए एआईएमआईएम और एएसपी के गठबंधन का हवाला दिया और आरोप लगाया कि

आसमान से आफत, समंदर में तबाही का अलर्ट, ओडिशा में महा-रेस्क्यू

तीन हजार राहत केंद्र तैयार 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

छह जिलों में तीन दिन स्कूल बंद, कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द



यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा में चक्रवाती तूफान 'अकवान' के संभावित खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के मुताबिक, अब तक करीब 50 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। मौसम विभाग ने तूफान के आंध्र प्रदेश के नरसापुर और ओडिशा के पुरी के बीच तट से टकराने की आशंका जताई है। हालात को देखते हुए सरकार ने इस बार जीरो कैजुअल्टी यानी तूफान के दौरान किसी की जान नहीं जाने देने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा लोगों को गंजाम जिले से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा। यहां बड़े स्तर पर रेस्क्यू अभियान चल रहा है। इसके अलावा गजपति, कंधमाल, रायगढ़ा, कोरापुट और मलकानगिरी जिलों के कई गांवों से भी लोगों को निकाला जा रहा है। सरकार का ध्यान केवल तटीय क्षेत्रों पर ही नहीं, बल्कि पहाड़ी और मैदानी इलाकों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा पर भी है। राज्य में राहत और बचाव कार्यों के लिए 15 जिलों को 20 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। प्रशासन ने तीन हजार चक्रवात राहत केंद्र तैयार किए हैं, जिनमें से 448 केंद्रों को पहले ही चालू कर दिया गया है। इन केंद्रों में प्रभावित लोगों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री के अनुसार, ओडिशा के तटीय इलाकों में हवा की औसत रफ्तार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटा रहने का अनुमान है।

ऐसे में निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। मौसम विभाग ने गुरुवार और शुक्रवार को राज्य के 11 जिलों में बहुत भारी से बेहद भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इनमें मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, कालाहांडी, गजपति, गंजाम, कंधमाल, बौध, पुरी, नयागढ़ और खुर्दा शामिल हैं। तूफान के खतरे को देखते हुए गंजाम, गजपति, पुरी, जगतसिंहपुर, केंद्रापड़ा और कंधमाल में गुरुवार से तीन दिन तक स्कूल बंद रहेंगे। सरकारी कर्मचारियों की छुट्टियां भी रद्द कर दी गई हैं। संवेदनशील इलाकों में वरिष्ठ अधिकारियों को तैनात किया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर राहत और बचाव कार्यों में कोई देरी न हो।

राहुल गांधी बोले-2024 का चुनाव अवैध था, फिर भी नहीं करेंगे बहिष्कार



शिकागो में कहा-चुनाव का बायकॉट करने से लोकतंत्र खत्म हो जाएगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमेरिका के दौरे पर 2024 के लोकसभा चुनाव की वैधता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि चुनाव में कई फर्जी मतदाता थे। राहुल ने एक ब्राजीलियाई महिला का उदाहरण देते हुए कहा कि वह कभी भारत नहीं आई, फिर भी उसने एक विधानसभा चुनाव में 23 बार मतदान किया। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि विपक्ष चुनावों का बहिष्कार नहीं करेगा, क्योंकि ऐसा करने से भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। राहुल ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ बातचीत के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र उनके लिए पवित्र है और विपक्ष चुनावी गड़बड़ियों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगा। राहुल ने यह भी दावा किया कि चुनाव आयोग के वरिष्ठ लोग अब अंदर से जानकारी दे रहे हैं और व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है। दिल्ली के प्रदूषण पर चिंता जताते हुए राहुल ने कहा कि वह एयर प्यूरीफायर लगवा रहे हैं और प्रदूषण के कारण उन्हें सिरदर्द रहता है। गाजा और इजराइल के मुद्दे पर उन्होंने दोनों पक्षों की हिंसा की निंदा की।

ट्रम्प बोले-अमेरिकी किसानों से ज्यादा सोयाबीन खरीदे चीन



शेनझेन में ट्रम्प-जिनपिंग की एक घंटे बातचीत

अब पुतिन के साथ त्रिपक्षीय बैठक

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से अमेरिकी किसानों के हित में ज्यादा सोयाबीन खरीदने की अपील की है। ट्रम्प ने कहा कि चीन में कृषि उत्पादों की मांग काफी अधिक है और उसे अमेरिका से ज्यादा खरीदारी करनी चाहिए। दोनों नेताओं के बीच गुरुवार को चीन के शेनझेन में एपेक समिट के दौरान करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। ट्रम्प ने जिनपिंग को अपना करीबी दोस्त बताते हुए कहा कि जब तक दोनों सत्ता में हैं, अमेरिका और चीन के बीच कोई समस्या नहीं होगी। इस मुलाकात के बाद ट्रम्प, जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच पहली त्रिपक्षीय बैठक प्रस्तावित है। इसमें ईरान युद्ध, रूस-यूक्रेन संघर्ष, परमाणु हथियारों की संख्या कम करने और अमेरिका-चीन के बीच व्यापार व टैरिफ जैसे मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। ट्रम्प ने कहा कि वह यूक्रेन युद्ध खत्म करने के रास्तों पर भी बात करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका और चीन चाहते हैं कि होर्मुज स्ट्रेट से तेल-गैस की सप्लाई जारी रहे और ईरान परमाणु हथियार न बनाए। जिनपिंग ने ट्रम्प की कोशिशों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों देशों ने आपसी हितों को ध्यान में रखकर रिश्तों को नई दिशा दी है।

नासा का वॉयजर-1 पहुंचा एक प्रकाश दिन दूर, बनाया नया रिकॉर्ड



49 साल पहले हुआ था लॉन्च, अब पृथ्वी से 26 अरब किलोमीटर दूर

रेडियो संदेश पहुंचने में लगते हैं 24 घंटे

यूनिक समय, नई दिल्ली। नासा का अंतरिक्ष यान वॉयजर-1 पृथ्वी से करीब 26 अरब किलोमीटर दूर पहुंच गया है। इसने एक प्रकाश दिन की दूरी तय कर ली है। इंसानों की बनाई कोई दूसरी चीज अब तक इतनी दूर नहीं पहुंची। प्रकाश एक दिन में करीब 25.9 अरब किलोमीटर की दूरी तय करता है। अब पृथ्वी से भेजे गए रेडियो सिग्नल को वॉयजर-1 तक पहुंचने में लगभग 24 घंटे लगते हैं। जवाब आने में भी इतना ही समय लगता है। वॉयजर-1 को 5 सितंबर 1977 को अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। इसे शुरुआत में पांच साल के मिशन के लिए बनाया गया था, लेकिन यह करीब 49 साल से काम कर रहा है। 1998 में इसने पायनियर-10 को पीछे छोड़कर सबसे दूर पहुंचने वाली मानव निर्मित वस्तु का रिकॉर्ड बनाया था। यह यान 2012 में सौरमंडल की सुरक्षा परत हेलियोस्फीयर पार कर इंटरस्टेलर स्पेस में पहुंचा था। अब यह तारों के बीच मौजूद अंतरिक्ष का अध्ययन कर रहा है। बिजली बचाने के लिए नासा ने इसके कई उपकरण बंद कर दिए हैं। 10 वैज्ञानिक उपकरणों में से अब केवल दो काम कर रहे हैं। नासा की करीब 10 लोगों की टीम इस मिशन को संभाल रही है। हालांकि, बिजली खत्म होने के कारण 2029 तक इससे संपर्क टूटने की आशंका है।

बांग्लादेश में हिंसा का तांडव, यूनुस के घर में आगजनी, 565 गिरफ्तार

ढाका समेत 28 जिलों में बम धमाके और आगजनी

हसीना की पार्टी अवामी लीग ने किया देशव्यापी बंद का ऐलान



यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश में अवामी लीग के देशव्यापी बंद के ऐलान के बीच हिंसा भड़क गई है। राजधानी ढाका में कई जगह देसी बम धमाके हुए, वहीं प्रदर्शनकारियों ने चटगांव में पूर्व अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस के पुश्तैनी घर में आग लगा दी। उनके ग्रामीण बैंक की कई शाखाओं को भी निशाना बनाया गया। ढाका में अवामी लीग के दो नेताओं के घरों पर भी हमले हुए। पिछले दो दिनों में देश के 28 जिलों में बम धमाकों और आगजनी की घटनाएं सामने आई हैं। हालात को देखते हुए पुलिस ने राजधानी में 24 घंटे के भीतर 565 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें पूर्व शिक्षा मंत्री नुरुल इस्लाम नाहिद भी शामिल हैं। अवामी लीग ने शेख हसीना को मौत की सजा सुनाए जाने के फैसले की बरसी पर बंद बुलाया है। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने अवामी लीग की दोबारा सक्रियता रोकने के लिए राजनीतिक दलों से एकजुट होने की अपील की है। वहीं, हसीना के दिसंबर में बांग्लादेश लौटने के ऐलान के बाद राजनीतिक तनाव बढ़ गया है। पुलिस ने प्रमुख फ्लाईओवर और रास्तों पर सुरक्षा बढ़ा दी है। गृह मंत्री ने हिंसा में शामिल लोगों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है।

दिल्ली के निगम स्कूलों में क्यूआर कोड से होगा दाखिला

स्कूलों की सुरक्षा और सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए नया प्लान

पहले चरण में 250 स्कूल होंगे कूड़ा मुक्त



यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के स्कूलों में बच्चों की घटती संख्या को रोकने और सुविधाएं बेहतर बनाने के लिए शिक्षा समिति ने कई अहम फैसले लिए हैं। शिक्षा समिति के अध्यक्ष योगेश वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्कूलों के बाहर क्यूआर कोड लगाने, ऑनलाइन दाखिला प्रक्रिया शुरू करने और करीब 3000 सफाईकर्मियों व चौकीदारों की भर्ती से जुड़ी फाइल एक सप्ताह में आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बैठक में निगम के वरिष्ठ अधिकारी, पार्षद और शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में 1 से 15 नवंबर तक की दाखिला रिपोर्ट पेश की गई। इसके बाद तय हुआ कि प्रत्येक निगम स्कूल के बाहर क्यूआर कोड लगाया जाएगा। अभिभावक इसे स्कैन कर बच्चे का विवरण दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद संबंधित स्कूल के प्रिंसिपल और शिक्षक उनसे संपर्क कर दाखिले की प्रक्रिया पूरी कराएंगे। आवेदनों को नजदीकी स्कूल तक पहुंचाने के लिए सिविक सेंटर में नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। स्कूलों की सुरक्षा और सफाई को लेकर समिति ने करीब 3000 सफाई कर्मचारियों और चौकीदारों की भर्ती की फाइल एक सप्ताह के भीतर आगे बढ़ाने को कहा है। वहीं, पहले चरण में 250 निगम स्कूलों को कूड़ा मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। स्कूलों के पार्क और खेल मैदानों के रखरखाव की जिम्मेदारी उद्यान विभाग को दी गई है। विभाग कर्मचारियों और मालियों की नियुक्ति का प्रस्ताव तैयार करेगा। मरम्मत कार्यों में पारदर्शिता के लिए मेंटेनेंस विभाग को हर काम का वर्क ऑर्डर प्रिंसिपल को देना होगा। काम पूरा होने के बाद उनसे एनओसी भी लेनी होगी। समिति ने अधिकारियों को तय समयसीमा में सभी फैसलों पर कार्रवाई कर नियमित रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं।

पीएम मोदी ने गिनाईं 13 साल की उपलब्धियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मशहूर वीडियो गेम जीटीए 5 और जीटीए 6 के बीच करीब 13 साल के अंतर को भारत की विकास यात्रा से जोड़ते हुए खास पोस्ट शेयर की है। गुरुवार को सोशल मीडिया पर 10 स्लाइड की पोस्ट साझा कर उन्होंने साल 2013 से 2026 तक देश में हुए बदलावों को सामने रखा। पोस्ट के साथ पीएम मोदी ने लिखा, 'इंडिया इज प्लेइंग व्होल न्यू गेम', यानी भारत अब बिल्कुल नया खेल खेल रहा है। जीटीए 5 साल 2013 में रिलीज हुआ था, उस समय केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार थी। प्रधानमंत्री की पोस्ट में अर्थव्यवस्था, गरीबी, स्वच्छता, ऊर्जा, अंतरिक्ष और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में हुई प्रगति को प्रमुखता दी गई है।वहीं, सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता में विस्तार को भी देश की बदलती तस्वीर का हिस्सा बताया गया। अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्टअप्स के लिए रास्ते खोलने को एक बड़ा बदलाव बताया गया है। इससे निजी कंपनियों और नए उद्यमियों को इस क्षेत्र में काम करने के अवसर मिले हैं। पीएम मोदी ने देश में बिजली पहुंचाने के काम, रक्षा निर्यात में बढ़ोतरी और नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा की स्थिति में सुधार का भी उल्लेख किया। पोस्ट में दावा किया गया कि नक्सल प्रभावित जिलों में हालात बेहतर हुए हैं और कई क्षेत्रों को सुरक्षित किया गया है। इस तरह जीटीए के दो संस्करणों के बीच के अंतर को आधार बनाकर प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार के कार्यकाल में हुए बदलावों और उपलब्धियों को 10 स्लाइड के जरिए पेश किया।



गुरुवार को धौलीप्याऊ स्थित रेलवे मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह के दौरान रस्म पूरी करते नव युगल दंपति।

500 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ सामूहिक विवाह में गूंजी शहनाई



धौलीप्याऊ स्थित रेलवे में मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह के दौरान एक-दूसरे को माला पहनाते नवयुगल दंपति।

कुरान की आयतों और वेद मंत्रों के बीच रचाई गईं शादियां, 20 मुस्लिम जोड़े भी बने आयोजन का हिस्सा

सरकारी उपहारों के साथ नवदंपतियों को मिला आशीर्वाद, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने दी शुभकामनाएं



धौलीप्याऊ स्थित रेलवे मैदान में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन हुआ। इस दौरान नवयुगल दंपति के इंतजार में रखा शादी का सामान।



मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह के दौरान मुस्लिम नवयुगलों का निकाह कराते मौलवी।

यूनिक समय, मथुरा। धौलीप्याऊ स्थित रेलवे मैदान में गुरुवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत भव्य सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। कुरान की आयतों और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच करीब 500 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। इनमें मुस्लिम समाज के 20 जोड़े भी शामिल रहे। एक दिव्यांग जोड़े ने भी शादी रचाई। नफीरी की धुनों और मंगल गीतों के बीच नवदंपतियों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर नए जीवन की शुरुआत की।

समारोह में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को सुखद दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया। इस दौरान सभी जोड़ों को योजना के तहत निर्धारित उपहार और गृहस्थी का सामान सौंपा गया।

उपहारों में दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं शामिल रहीं, ताकि नवदंपतियों को नई गृहस्थी बसाने में मदद मिल सके। सामूहिक विवाह समारोह में बड़ी संख्या में परिजन और अतिथि मौजूद रहे।

विभिन्न धर्मों और समुदायों के जोड़ों की एक साथ शादी ने सामाजिक समरसता और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। समारोह में नवदंपतियों के चेहरे पर नई जिंदगी शुरू करने की खुशी साफ नजर आई। आयोजन समापन से पहले धराती और बरातियों ने दावत का आनंद लिया।

इस मौके पर राज्य सभा सदस्य तेजवीर सिंह, विधायक पूरन प्रकाश, सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, डीडीओ गरिमा खरे, पीडी एके उपाध्याय, डीसी मनरेगा विजय कुमार पांडेय, स्वतः रोजगार उपायुक्त इंद्रपाल सिंह, प्रभारी डीपीओ योगेन्द्र सिंह आदि अधिकारी मौजूद रहे।

नवदंपतियों को दिलाई जनगणना में भागीदारी की शपथ

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में गुरुवार को जनगणना-2027 के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। जनपद के फील्ड ट्रेनर्स ने नवविवाहित जोड़ों और उनके परिजनों को स्व-गणना की प्रक्रिया, महत्व और उपयोगिता की जानकारी दी।

इस दौरान राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक पूरन प्रकाश और सांसद प्रतिनिधि जनार्दन शर्मा ने उपस्थित लोगों को जनगणना में सक्रिय भागीदारी की शपथ दिलाई। विधायक पूरन प्रकाश ने लोगों से सही और पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने की अपील की।

सीडीओ- अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि



सामूहिक विवाह में स्वगणना भागीदारी की शपथ लेते नवयुगल और जनप्रतिनिधि, अधिकारी आदि।

30 नवंबर तक पोर्टल पर स्व-गणना की जा सकेगी। वहीं, एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना होगी। कार्यक्रम में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सलोनी गौतम, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

15 मिनट में हो गई सैंकड़ों शादियां

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को धौलीप्याऊ स्थित रेलवे मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के दौरान हुई शादियों के दौरान अचरज भी दिखा। मुख्य मंच के बराबर बने छोटे मंच पर बैठे मुख्य पंडित ने केवल 15 मिनट में सभी शादियां करा दीं। इस अल्प समय के दौरान नवयुगलों ने एक- दूजे को माला पहनाई, फेरे लिए और सिंदूर भी भरा। वैसे, इस दौरान कई वेदियों में अग्नि नहीं जली, गांठ-बंधन नहीं हुआ। वहीं, कई युगलों ने फेरे भी नहीं लिए। वैसे, इस दौरान देवोत्थान से पहले बिना देव जाग्रत हुए यह सरकारी शादियां कार्यक्रम स्थल पर चर्चा का विषय बनी रहीं। कई जोड़ों के नहीं आने से वेदी सूनी दिखीं।

दूध, घी से लेकर मसालों तक की परखी शुद्धता

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (निफ्टेम), कुंडली और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई), मथुरा ने संयुक्त रूप से रिठौरा गांव में खाद्य सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया। 'फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स' के माध्यम से आयोजित अभियान में निफ्टेम के 40 सदस्यीय दल के साथ ग्रामीणों ने भी भाग लिया। अभियान में फूड टेस्टिंग किट के जरिए दूध, पनीर, घी, बर्फी, शहद, अरहर व मूंग की दाल, हल्दी, काली मिर्च और पेयजल की शुद्धता जांचने के व्यावहारिक तरीके बताए गए। ग्रामीणों को विभिन्न खाद्य पदार्थों में संभावित मिलावट की पहचान के परीक्षण करके भी दिखाए गए। इस दौरान लोगों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, मिलावट से बचाव और सुरक्षित भोजन के महत्व की जानकारी दी गई। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक कर उपभोक्ताओं को मिलावट से बचने के लिए सक्षम बनाना था।



आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत का फर्जी निस्तारण करने का आरोप

तहसीलदार की मोहर और हस्ताक्षर भी फर्जी बताए डीएम और लोकायुक्त से जांच की मांग

यूनिक समय, छाता। तहसील छाता में आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत के फर्जी निस्तारण का मामला सामने आया है। एक अधिवक्ता ने तहसील में तैनात पेशकार पर बिना मौके पर जांच किए शिकायत का निस्तारण दिखाने और तहसीलदार की कथित फर्जी मोहर और हस्ताक्षर इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने डीएम और लोकायुक्त से शिकायत कर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

अधिवक्ता काकुल भारद्वाज के अनुसार, उन्होंने 20 अक्टूबर 2026 को एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। आरोप है कि शिकायत पर कोई धरातलीय कार्रवाई किए बिना ही 18 नवंबर 2026 को आख्या लगाकर आईजीआरएस पोर्टल पर उसका निस्तारण दर्शा दिया गया। अधिवक्ता ने बताया कि जब उन्होंने इस संबंध में तहसीलदार से जानकारी की तो उन्होंने प्रकरण की जानकारी अपने संज्ञान में होने से इनकार किया। अधिवक्ता का आरोप है कि शिकायत के निस्तारण में तहसीलदार की फर्जी मोहर और हस्ताक्षर का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर जिम्मेदार व्यक्ति की पहचान करने और दोषी पाए जाने पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

वहीं, पेशकार का कहना है कि पटल से उनका कोई संबंध नहीं है।

ध्रुव के पंजे में फंसी सुपर किंग्स चैंपियंस ने तीन विकेट से जीता मैच

यूनिक समय, मथुरा। सीएई क्रिकेट अकादमी के मैदान पर गुरुवार को सीएई सुपर किंग्स और सीएई चैंपियंस के बीच खेले गए 50 ओवर के मुकाबले में चैंपियंस ने तीन विकेट से जीत दर्ज की। टीम की जीत के नायक ध्रुव द्विवेदी रहे। उन्होंने गेंदबाजी में पांच विकेट झटकने के बाद बल्लेबाजी में नाबाद 28 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। टॉस जीतकर सीएई चैंपियंस ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। ध्रुव द्विवेदी की धारदार गेंदबाजी के सामने सुपर किंग्स की टीम 31.1 ओवर में 137 रन पर सिमट गई। कार्तिक कौशिक ने 25, जबकि हर्षिता चौधरी, प्रियांशु वर्मा और कृष्णा गर्ग ने 13-13 रन बनाए। ध्रुव ने 21 रन देकर पांच विकेट लिए। यश पाल को तीन और विवेक सिंह को दो विकेट मिले।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी चैंपियंस की शुरुआत लड़खड़ा गई। मध्यक्रम में मयंक शर्मा ने 32 गेंदों पर 36 रन बनाकर पारी को संभाला। इसके बाद ध्रुव द्विवेदी ने 26 गेंदों पर चार चौकों की मदद से नाबाद 28 रन बनाए। आरव चौधरी ने भी नाबाद 12 रन का योगदान दिया। याशी उपाध्याय ने 10 रन बनाए। चैंपियंस ने 34 ओवर में सात विकेट पर 140 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। सुपर किंग्स की ओर से यश सरस्वत ने दो, जबकि हर्षित चौधरी, गोविंद और कविता सरस्वत ने एक-एक विकेट लिया।



पांच विकेट लेने वाले ध्रुव को सम्मानित करते वरिष्ठ खिलाड़ी।

पेट्रोल पंप से दो हजार का डीजल भराकर भागे, तीन गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। जैंत पुलिस ने पेट्रोल पंप से कार में दो हजार रुपये का डीजल भरवाकर बिना भुगतान किए भागने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हरियाणा नंबर की स्विफ्ट कार भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, छाता थाना क्षेत्र के गांव गौरा निवासी पेट्रोल पंप कर्मचारी श्याम ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि हरियाणा नंबर की स्विफ्ट कार में सवार तीन युवक दो हजार रुपये का डीजल भरवाकर बिना पैसे दिए फरार हो गए। इस मामले में तीन अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने चेकिंग के दौरान कार को पकड़ लिया और उसमें सवार तीनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अतुल निवासी तिगरा, थाना सेक्टर-56, गुरुग्राम (हरियाणा), मदन निवासी चित्राहट, आगरा और प्रयांशू निवासी सिलऊ आ बुजुर्ग, थाना रामपुर, जालौन के रूप में हुई है।